वैशाख कृष्ण पक्ष- 2, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 268 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

04 अप्रैल 2026 शनिवार

आज का मौसम

36.0 अधिकतम

21.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

केजरीवाल को नहीं कबूल उभरते हुए राघव चड्ढा

अपनी वाणी से सम्मोहित करने वाले सरस्वती पुत्र कवि कुमार विश्वास की राघव चड्ढा को लेकर की गई भविष्यवाणी आखिर सच हो गई। जब केजरीवाल के शीश महल में राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट का एपिसोड हुआ था तभी कुमार ने कहा था कि अब अगला नंबर तेजी से उभरते आप नेता राघव चड्ढा का है। इनकी बात थोड़ी देर से ही सही, पर सच हो ही गई। राघव को राज्यसभा में आप के उपनेता पद से अचानक हटा दिया गया। उन्हें बेइज्जत करने के लिए राज्यसभा सचिवालय को कहा गया है कि उन्हें आप के कोटे के लिए निर्धारित वक्त में से बोलने का मौका नहीं दिया जाए।

समाचार विश्लेषण

राजेश सिरोठिया

तो क्या कुमार विश्वास को पहले से इसका अंदाजा था? जवाब है हां। उनके इस आकलन के बारे में मैं इसलिए कह सकता हूं क्योंकि कुमार विश्वास ही पहले ऐसे नेता थे जिन्होंने केजरीवाल की फितरत को सबसे पहले भांप लिया था। वह कहते रहे हैं कि उन्हें समय पर ईश्वर ने सद्बुद्धि दे दी और वे आप और केजरीवाल की कुटिलता भरे खेल से बाहर निकल आए। उसका हिस्सा नहीं बने। आज जिस मुकाम पर वह हैं उससे खुश हैं। दरअसल सत्ता की जो भूख केजरीवाल के अंदर थी उसका अंदाजा दिल्ली के उनके पहले चुनाव से

आखिर सच हो गई कुमार विश्वास की भविष्यवाणी

ही लग गया था। याद कीजिए तब किरन बेदी को सीएम प्रोजेक्ट करने के फैसले से नाखुश भाजपाइयो ने मन से काम नहीं किया था। बावजूद इसके बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। लेकिन केजरीवाल ने अपने सारे नैतिक तकाजों को ताक पर रखकर उसी कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बना ली जिसके खिलाफ जन आंदोलन छेड़ा था। सरकार ज्यादा नहीं चली लेकिन जिस अन्ना के कंधों पर सवार होकर अरविन्द ने लोकपाल आंदोलन छेड़ा था, उन्हीं की मंशा के खिलाफ जाकर राजनीतिक पार्टी बनाई। उनकी धोखे की सियासत की वह पहली मिसाल थी। दूसरी बार बम्पर जीत के साथ सत्ता में वह इसलिए लौटे क्योंकि कांग्रेस के मन में केजरीवाल से ज़्यादा खौफ पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह का था। इसके चलते शीला दीक्षित ने कांग्रेस के जिस बड़े वोट बैंक का महल खड़ा किया था, उसे कांग्रेस की गांधी फैमिली, आप पार्टी के पक्ष में शिफ्ट करवाकर आत्मघात कर बैठी। इसका दंश दिल्ली में कांग्रेस अभी भी भुगत रही है। पर केजरीवाल की आत्मकेंद्रित राजनीति का असली चेहरा भी सामने आने लगा। कुमार विश्वास ने उनका साथ छोड़कर अपनी लाज बचाई तो रणनीतिकार योगेन्द्र यादव से लेकर मशहूर वकील प्रशांत भूषण और पत्रकार आशुतोष और कपिल मिश्रा जैसे कई नेता उनसे किनारा करते गए या उन्हें अरविंद ने ठिकाने लगा दिया। दरअसल केजरीवाल की सियासत का मूल पिंड यही है कि जिसका कद उनके बराबरी पर आता दिखे उसकी छँटाई कर दो। जो उनकी हां में हां न मिलाए, उसको दूर कर दो। दिल्ली के तथाकथित शराब घोटाले में उनके मंत्रियों का नंबर आया तब केजरीवाल शायद उतने चिंतित नहीं थे। लेकिन जब वो खुद तिहाड़ पहुंचे तो कांग्रेस के नामी गिरामी वकील अभिषेक मनु सिंघवी उनको याद आए। फीस के नाम पर सौदा हुआ। या तो मोटी फीस या फिर राज्यसभा में आप के कोटे से एंट्री। केजरीवाल उस वक्त तक राघव चड्ढा के उभार को महसूस कर चुके थे। दिल्ली के विधायक रहे राघव को पंजाब से राज्यसभा में भेजने का फैसला उनकी कदकर्तन की रणनीति का ही हिस्सा था। पर जब सिंघवी को राज्यसभा में भेजने का विचार आया तो उनके सामने राघव का चेहरा ही सामने आया। लेकिन अंदरखाने की मानें तो राघव ने राज्य सभा छोड़ने के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। इसके बाद अरविंद के जेहन में स्वाति मालीवाल का नाम आया। वह उनके साथ एनजीओ के दिनों से ही जुड़ीं थी। आप की संस्थापक सदस्यों में से एक स्वाति ने भी जब टका सा जवाब दिया तो वह बौखला गए। फिर स्वाति के साथ मारपीट का किस्सा तो सबको पता है।

यही फितरत... उनके साथ वही रहेंगे जो जी हजूरी करेंगे

कुमार विश्वास तो कहते ही रहे हैं कि वो केजरीवाल की प्रकृति और प्रवत्ति को सबसे पहले भांप गए थे। लेकिन केजरीवाल के असली स्वरूप के दीदार मुझे उनके पड़ोसी के मार्फत पहले ही हो गए थे। कहते हैं कि किसी की असली फितरत का पता करना हो तो उसके पड़ोसी से बेहतर कोई नहीं बता सकता। मैं यह दावा कर सकता हूं कि उनके असली चेहरे से मैं 2012 में रूबरू हो चुका था। एक पुराने किस्से से तस्वीर साफ हो जाएगी। अन्ना हजारे की अगुवाई में लोकपाल बिल को लेकर तत्कालीन यूपीए सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा खोला गया था। अन्ना का चेहरा सामने था और प्रमुख चेहरों में अरविंद केजरीवाल ही थे। लेकिन आंदोलन के लिए मजमा जुटाने का असल काम कुमार विश्वास ने ही किया था। इस मामले में मेरा सूचना तंत्र ज्यादा पुख्ता था जिसके ज़रिए केजरी के आंदोलन के दौरान ही उनकी हकीकत का अंदाज हो गया था। यह सारा एहसास मुझे मेरे भोपाल में रहने वाले पड़ोसी मित्र के जरिए हुआ। दरअसल, जब अन्ना आंदोलन शबाब पर था तब मेरे यह मित्र अपनी भांजी से मिलने दिल्ली गए थे। संयोग से उनके भांजा दामाद भी अरविंद केजरीवाल और उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल की तरह ही भारतीय राजस्व सेवा में कार्यरत थे। उनका सरकारी मकान भी केजरीवाल के पड़ोस में ही था। जब मेरे मित्र वहां पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उनकी भांजी के बेटे के साथ एक बच्चा और भी मौजूद था। मेरे मित्र ने जिज्ञासावश पूछा कि यह कौन है तो बताया गया कि यह केजरीवाल का बेटा है। मेरे मित्र चौंके। उन्होंने पूछा, क्या उन्हीं अरविंद केजरीवाल का बेटा है जो अन्ना के आंदोलन में शरीक है। भांजी ने हामी भरी। मेरे मित्र का अगला सवाल यही था कि केजरीवाल जी और उनकी पत्नी कैसी अफसर है? भांजी ने कंधे उचकाते हुए कहा –मामा जी, हाथी के दांत खाने के अलग और दिखाने के अलग होते हैं। मेरे मित्र की जिज्ञासा और बढ़ी तो भांजी ने कहा – केजरीवाल जी को तो एनजीओ चलाने से फुर्सत नहीं। सैलरी भी लेते हैं और एनजीओ से मोटी कमाई भी होती है। उनकी पत्नी जरूर नौकरी पर जाती हैं पर वह भी कम उस्ताद नहीं। भोपाल लौटे मेरे मित्र ने जब यह किस्सा बयाँ किया तो मेरी अरविंद केजरीवाल को लेकर धारणा और भी पुष्ट हो गई। तब मैं नईदुनिया में पॉलिटिकल एडिटर था। मैंने तब पूरी तहक़ीक़ात करने बाद लिखा था कि अन्ना हज़ारे जैसी पुण्य आत्मा को मोहरा बनाकर केजरीवाल की मुहिम कुछ विदेशी मल्टी नेशनल कंपनियों को फ़ायदा पहुँचाने की है। उनके सत्ता में आने के बाद उनकी असलियत बयां करने की कोई जरूरत नहीं रह गई। मारुति की वैगन आर कार से लग्जरी गाड़ियों तक उनका कारवां और साधारण से सरकारी बंगले से शीश महल तक की कहानी सबको पता है। कुल मिलाकर देखें तो यही अरविंद की असलियत है, यही उनकी फितरत है। उनके साथ वही रहेंगे जो उनकी जी हजूरी करेंगे।

INDIAN PREMIER LEAGUE

पहला मैच दिल्ली-मुंबई, समय : दोप. 3.30 बजे

दूसरा मैच गुजरात-राजस्थान, समयः शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

यूपी के दौराला में जहरीली शराब पीने से तीन की मौत

दौराला। मेरठ के दौराला में शराब पीने के बाद तीन लोगों की मौत हो गई। परिजनों ने शराब के जहरीली होने का आरोप लगाया है। डीएम के आदेश पर देसी शराब के ठेके को सील कर दिया गया है। डीएम और एसएसपी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। शराब का ठेका भाकियू नेता मिंटू अहलावत निवासी दौराला के पिता जयपाल अहलावत के नाम पर है। पुलिस ने देर रात जयपाल अहलावत और ठेके के दो सेल्समैन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस के अधिकारी इनसे पूछताछ कर रहे है। पुलिस ने बताया कि दो लोगों ने सरधना रोड स्थित ठेके से देसी शराब खरीदी थी।

नासिक में यौन शोषण, 121 अश्लील वीडियो मिले

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में ब्लैकमेल की शिकायत करने वाला एक वरिष्ठ नागरिक खुद यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार हो गया। सतपुर इलाके में रहने वाले रविंद्र गणपत एरंडे ने पहले शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने उसके कार्यालय से टैबलेट चोरी कर लिया और निजी फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उससे 12 लाख रुपये की वसूली की कोशिश की। पुलिस जांच में उसके टैबलेट से ही बड़ी संख्या में अश्लील वीडियो मिले हैं।

ईरान के आक्रामक तेवर... तनाव और बढ़ने की आशंका

24 घंटे में दूसरा अमेरिकी जेट गिराया दो रेस्क्यू हेलिकॉप्टर पर भी अटैक

अमेरिकी पायलट को जिंदा पकड़ने के लिए ईरानी सरकार ने इनाम घोषित किया

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। एजेंसी

ईरान ने अमेरिका के दो लड़ाकू विमान गिराने का दावा किया है। इनमें एक एफ-35 फाइटर जेट और दूसरा ए-10 अटैक एयरक्राफ्ट है। हालांकि कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि गिरने वाला पहला फाइटर जेट एफ-35 नहीं बल्कि एफ-15 ई है। वहीं दूसरा ए-10 एयरक्राफ्ट किसी तरह कुवैत के हवाई क्षेत्र तक पहुंच गया, जहां पायलट ने इजेक्ट कर लिया। पायलट सुरक्षित है, लेकिन विमान कुवैत में क्रैश हो गया। दो अमेरिकी ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर, जो रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे थे, उन पर भी ईरान ने हमला किया, लेकिन उनमें सवार सैनिक सुरक्षित हैं।

एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार एफ-15 ई फाइटर जेट के एक पायलट को ईरान से सुरक्षित बचा लिया गया है जबकि एक और पायलट की तलाश में ऑपरेशन चला रहा है। वहीं, राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि ईरान में अमेरिकी फाइटर जेट गिराए जाने की घटना से दोनों देशों के बीच बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ट्रम्प ने कहा, हम युद्ध में हैं। उधर ईरान ने अमेरिकी फाइटर जेट के पायलट को पकड़ने पर 10 बिलियन ईरानी तोमान (लगभग

55 लाख रुपए) के इनाम का ऐलान किया है। ईरान के सरकारी मीडिया एक एंकर ने नागरिकों से अपील की है कि वे अमेरिकी पायलट को जिंदा पकड़कर सरकारी अधिकारी या सेना को सौंपे। बीबीसी फ़ारसी सेवा की सीनियर रिपोर्टर गोंचेह हबीबीआज़ाद के मुताबिक, खुजेस्तान प्रांत के एक अपुष्ट वीडियो में कुछ लोग हथियारों और इस्लामिक रिपब्लिक के झंडे के साथ खोज करते नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि सर्च और रेस्क्यू अभियान के दौरान अमेरिकी टीमों पर गोलियां चलाई गईं।

'बाब-अल-मंदेब' बंद करने की तैयारी!

ईरान से एक ऐसा संकेत आया है, जिसने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर पहले ही तनाव चरम पर है और अब ईरान की नजर एक और बेहद अहम समुद्री रास्ते बाब-अल-मंदेब पर जा टिकी है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने सोशल मीडिया पर इशारों-इशारों में बताया कि तेहरान अब इस रास्ते को भी दबाव बनाने के औजार के तौर पर देख रहा है। उन्होंने सवाल उठाया, 'दुनिया का कितना तेल, गैस, गेहूं, चावल और खाद बाब-अल-मंदेब से गुजरता है?' और साथ ही यह भी पूछा कि कौन से देश व कंपनियां इस रास्ते पर सबसे ज्यादा निर्भर हैं? उनके इस सवाल के पूछने को संकेत के तौर पर देखा जा रहा है कि ईरान अब वैश्विक सप्लाई की एक और नस को दबाने को तैयार है।

शेयर में फायदे का झांसा देकर जबलपुर के डॉक्टर से तीन करोड़ ठगे

जबलपुर। शहर के एक डॉक्टर को एक युवक ने शेयर बाजार में बड़े लाभ का झांसा देकर तीन करोड़ चार लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराए और वह राशि हड़प ली। मामले में जबलपुर सायबर पुलिस ने आरोपी खमरिया के तिघरा निवासी सौरभ विश्वकर्मा उर्फ राहुल (25) को गिरफ्तार किया है।आरोपी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर गोराबाजार निवासी डॉ. एहतेशाम अहमद अंसारी के साथ सायबर धोखाधड़ी की थी। शेयर में निवेश पर पांच से पांच सौ प्रतिशत तक लाभ की गारंटी देकर डॉक्टर से अलग-अलग किस्त में तीन करोड़ रुपये से ज्यादा राशि ऑनलाइन ट्रांसफर कराया। भुगतान के लिए उनसे और राशि जमा करने को कहा गया। तब डॉक्टर को आशंका हुई और उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट की।

केरल में बोले राहुल गांधी- अब 'लेफ्ट में कुछ भी लेफ्ट नहीं बचा'

तिरुवनंतपुरम. एजेंसी

केरल विधानसभा चुनाव 2026 से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। राहुल गांधी ने अलाप्पुझा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (LDF) पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केरल में अब बीजेपी, आरएसएस और लेफ्ट फ्रंट के बीच संबंध बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि लेफ्ट फ्रंट के भीतर दो तरह के नेता हैं, एक वे जो किसी भी कीमत पर सत्ता में आना चाहते हैं और इसके लिए किसी से भी समझौता कर सकते हैं, और दूसरे वे जो विचारधारा में विश्वास रखते हैं लेकिन खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

नेता सत्ता के लिए विचारधारा से कर रहे समझौता: कांग्रेस नेता ने कहा कि कई कार्यकर्ता, जिन्होंने वर्षों तक विचारधारा के लिए काम किया, आज खुद को आहत और निराश महसूस कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेता सत्ता के लिए विचारधारा से समझौता कर रहे हैं। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि केरल के मुख्यमंत्री के संबंध उन ताकतों से हैं, जो देश के अन्य हिस्सों में अल्पसंख्यकों पर हमले कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार में अब लेफ्ट जैसी कोई बात नहीं बची है।

हिमाचल में खाई में गिरी गाड़ी भतीजे की मौत, चाचा गंभीर

भरमौर (चंबा). एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा में भयानक हादसा पेश आया है। चंबा के जनजातीय क्षेत्र भरमौर में भरमौर-थल्ला मार्ग का हिस्सा धंसने से सुंकू टपरी के समीप एक पिकअप करीब 400 फीट गहरी खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका चाचा गंभीर रूप से घायल है। मृतक की पहचान मदन लाल पुत्र प्रेम सिंह निवासी गांव पंसेई के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में घायल मनोज कुमार पुत्र पवन कुमार को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से गहरी खाई से निकालकर भरमौर अस्पताल पहुंचाया। घायल को नाजुक हालत में मेडिकल कालेज चंबा रेफर किया गया है।

नासिक में दर्दनाक हादसा

कुएं में कार गिरने से एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत, मृतकों में छह बच्चे

नासिक, एजेंसी

महाराष्ट्र के नासिक जिले में शुक्रवार रात एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में छह बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस ने शनिवार को जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी कस्बे के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। परिवार के सभी सदस्य एक समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार अनियंत्रित होकर पास के एक कुएं में जा गिरी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं। राहत-बचाव अभियान के तहत दो क्रेन और तैराकों की मदद से आधी रात के आसपास कार और उसमें सवार सभी लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने बताया कि सभी मृतक डिंडोरी तालुका के इंदोरे गांव निवासी दरगुड़े परिवार के सदस्य थे। मृतकों की पहचान सुनील दत्तू दरगुड़े (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुड़े (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है। बच्चों में पांच लड़कियां (उम्र 7 से 14 वर्ष) और एक 11 वर्षीय लड़का शामिल है।सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए डिंडोरी के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

सीबीएसई के नए पाठ्यक्रम पर विवाद

स्टालिन ने कहा, गैर-हिंदी राज्यों पर भाषा थोपने की कोशिश मंजूर नहीं

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सीबीएसई के नए पाठ्यक्रम ढांचे की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे भाषाई थोपने की सुनियोजित कोशिश बताते हुए आरोप लगाया कि यह नीति हिंदी को बढ़ावा देती है और क्षेत्रीय भाषाओं को कमजोर करती है।

गैर-हिंदी भाषी राज्यों के साथ भेदभाव का आरोपः स्टालिन ने कहा कि यह ढांचा संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाता है, गैर-हिंदी भाषी राज्यों के साथ भेदभाव करता है और छात्रों व शिक्षकों पर अतिरिक्त बोझ डालता है। उन्होंने केंद्र सरकार से भारत की भाषाई विविधता का सम्मान करने और राज्यों के अधिकारों की रक्षा करने की अपील की। दरअसल, सीबीएसी 2026-27 शैक्षणिक सत्र से

चरणबद्ध तरीके से तीन-भाषा नीति लागू करने जा रहा है, जिसकी शुरुआत कक्षा 6 से होगी। इस नीति के तहत छात्रों को एक अतिरिक्त भाषा सीखनी होगी और तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारतीय भाषाएं अनिवार्य होंगी।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार केंद्रीय विद्यालय संगठन के स्कूलों में तमिल को अनिवार्य नहीं बना पाई।

चुनाव प्रचार के लिए जा रहे थे

केरल में शशि थरूर के काफिले पर हमला, गनमैन और ड्राइवर को पीटा

मलप्पुरम, एजेंसी

केरल के मलप्पुरम जिले के वांडूर इलाके में शुक्रवार शाम कांग्रेस सांसद शशि थरूर के काफिले को रोककर उनके गनमैन और ड्राइवर पर हमला करने की घटना सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे चेल्लिथोड के पास थिरुवाली इलाके में हुई। थरूर कांग्रेस नेता ए.पी. अनिल कुमार के चुनाव प्रचार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वांडूर जा रहे थे।

वांडूर पुलिस के अनुसार, संकरी सड़क पर पुल के पास रुकावट थी। थरूर के काफिले के आगे वाले वाहन को तेज चलाने के लिए गनमैन रतीश के.पी. ने कहा तभी दो वाहनों में सवार पांच लोगों के एक समूह ने थरूर की गाड़ी को रोक लिया। जब गनमैन ने रास्ता साफ करने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन पर और ड्राइवर पर हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, गनमैन ने ही शिकायत दर्ज कराई है।

बुकिंग के सात दिन बाद भी नहीं मिल रहे सिलिंडर

एलपीजी बुकिंग और आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं, एजेंसी में लग रही उपभोक्ताओं की कतार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण प्रभावित हुई एलपीजी गैस आपूर्ति में सुधार नहीं हो पा रहा है। प्रदेश में एलपीजी बुकिंग और आपूर्ति व्यवस्था अब तक सुधर नहीं सकी है। भोपाल में इंडेन एलपीजी के उपभोक्ताओं को सिलिंडर के लिए खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। हालात यह हैं कि इंडेन का सर्वर ठप होने से उपभोक्ताओं की भीड़ एजेंसियों पर लगी रही। इसकी जानकारी खाद्य विभाग को दी गई, जिससे टीमें एजेंसी पर पहुंची और संचालकों से बातचीत कर उपभोक्ताओं को बताया गया कि सर्वर की समस्या होने के कारण आपूर्ति नहीं हो पा रही है। ऐसे में उनको घर पर ही सिलिंडर की आपूर्ति कर दी जाएगी, इससे अधिकांश उपभोक्ता वापस लौट गए।

जानकारी के अनुसार जिले में घरेलू एलपीजी सिलिंडर के करीब साढ़े पांच लाख उपभोक्ता और इंडेन, भारत व एचपी की 40 गैस एजेंसी हैं। इनमें से सबसे

अधिक इंडेन के साढ़े तीन लाख उपभोक्ता व करीब 26 एजेंसी हैं, ऐसे में इंडेन की आपूर्ति व्यवस्था नहीं सुधर पा रही है। हालात यह हैं कि अब भी इंडेन के करीब 20 हजार उपभोक्ताओं को सिलिंडर नहीं मिल सके हैं, इस वजह से उपभोक्ता सुबह छह बजे से एजेंसियों पर सिलिंडर लेकर कतार में खड़े हो जाते हैं। यही हाल अयोध्यानगर स्थित सैनी, गांधीनगर स्थित प्रियंका सहित अन्य इंडेन एजेंसियों पर बनी हुई थी। उपभोक्ता कतार में सिलिंडर लेने के लिए लगे हुए थे लेकिन सर्वर ठप हो जाने से आपूर्ति व्यवस्था चौपट हो गई।

1537 मीट्रिक टन गैस, 27 हजार को नहीं मिले सिलिंडर

जिले के भौंरी स्थित एलपीजी डिपो में करीब एक हजार 537 मीट्रिक टन गैस उपलब्ध हैं और करीब 27 हजार उपभोक्ताओं को अब भी सिलिंडर नहीं मिल सके हैं। जिले में हर दिन 450 मीट्रिक टन गैस की खपत होती है। सबसे अधिक समस्या इंडेन के उपभोक्ताओं को बनी हुई हैं उनको बुकिंग करने आठ से 10 दिन बाद भी सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं। यही कारण है कि वह सीधे गैस एजेंसी पर पहुंच रहे हैं और यहां भी उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। अब भी हर दिन करीब 14 से 15 हजार बुकिंग हो रही है और करीब आठ से 10 हजार सिलिंडर की आपूर्ति की जा रही है।

उपभोक्ता बोले समय पर नहीं मिल रहा सिलिंडर

उपभोक्ता प्रमोद कुमार ने बताया कि उसने सैनी इंडेन पर 30 मार्च को सिलिंडर की बुकिंग की थी लेकिन चार दिन बाद भी सिलिंडर नहीं मिला। जब शुक्रवार को सिलिंडर के लिए लाइन में लगा तो सर्वर ठप हो गया, आखिर सिलिंडर नहीं मिल सका है।
उपभोक्ता सुशील कुमार ने बताया कि सैनी इंडेन पर 23 मार्च को सिलिंडर की बुकिंग की थी। जिस पर ओटीपी, मैसेज प्राप्त हो गया था लेकिन सिलिंडर अब तक नहीं मिल सका है।

घरेलू गैस सिलिंडर की बुकिंग व आपूर्ति व्यवस्था को नियमित बनाए रखने सभी एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए गए हैं। गांधीनगर स्थित प्रियंका इंडेन एजेंसी पर शुक्रवार को सिलिंडर नहीं मिलने की शिकायत मिली थी। इससे टीम को भेजकर जांच करवाई गई तो सर्वर की समस्या थी, सभी उपभोक्ताओं को सर्वर शुरू होते ही आपूर्ति करवा दी जाएगी।

– **चंद्रभान सिंह जादौन**, जिला आपूर्ति नियंत्रक

सात महीने की धक्का-मुक्की खत्म

भोपाल-बीना मेमू का विस्तार, अब 8 नहीं 12 कोच के साथ दौड़ेगी ट्रेन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर उस वक्त अलग ही माहौल देखने को मिला, जब यात्री आपस में मुस्कुराते हुए राहत की बात कर रहे थे। पिछले सात महीनों से भीषण भीड़ और धक्का-मुक्की के बीच सफर करने को मजबूर लोग अब सुकून महसूस कर रहे हैं। क्योंकि 100 यात्रियों की क्षमता वाले कोच में 150 तक लोग सफर करने को मजबूर थे, लेकिन लगातार उठती मांग और खबरों के असर के बाद भोपाल-बीना मेमू ट्रेन अब आठ की बजाय 12 कोच के साथ पटरी पर लौट आई है, जिससे गर्मी और शादी सीजन में यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

जानकारी के अनुसार सितंबर 2025 से भोपाल-बीना मेमू ट्रेन केवल आठ कोच के साथ संचालित की जा रही थी। दरअसल, भोपाल मंडल को पहले चार रैक आवंटित किए गए थे, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला द्वारा इन चारों रैक को कोटा मंगवा लिया गया। इसके चलते भोपाल मंडल के पास कोच की कमी हो गई और मेमू ट्रेन को मजबूरी में आठ कोच के साथ ही चलाना पड़ा। मेमू ट्रेन के एक कोच में लगभग 60 सीटें होती हैं, लेकिन सामान्य तौर पर करीब 100 यात्री बैठकर और खड़े होकर सफर करते हैं। पिछले कुछ महीनों से ट्रेन सिर्फ आठ कोच के साथ चल रही थी, जिसके कारण भीड़ का दबाव काफी बढ़ गया था। हालात ऐसे हो गए थे कि जहां 100 यात्री सफर कर सकते थे, वहां करीब 150 लोग यात्रा करने को मजबूर थे। इससे यात्रियों को भारी असुविधा और धक्का-मुक्की का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन अब 12 कोच होने से लोगों को राहत मिलेगी।

यात्री दिनेश रावत ने मैं पिछले 18 वर्षों से विदिशा से भोपाल मेमू ट्रेन से सफर कर रहा हूं। बीते 6-7 महीनों से ट्रेन सिर्फ आठ कोच के साथ चल रही थी, जिससे शादी-विवाह और अन्य सीजन में भारी भीड़ रहती थी। कई बार खड़े रहना भी मुश्किल हो जाता था। अब 12 कोच होने से यात्रियों को राहत मिलेगी। खासकर गर्मी में भीड़ के बीच सफर करना बेहद कठिन होता है, ऐसे में यह फैसला सुकून देने वाला है।

भेल भोपाल ने 4500 करोड़ रुपए का उत्पादन लक्ष्य प्राप्त किया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भेल भोपाल में वित्तीय वर्ष 2025–26 में शानदार 4500 करोड़ रुपए का उत्पादन लक्ष्य पूरा कर लिया। इससे भेल कर्मियों में खुशी की लहर है। यह लक्ष्य 31 मार्च को भोपाल यूनिट ने पूरा कर लिया था। इस खुशी में ईडी प्रदीप कुमार उपाध्याय ने सभी ब्लॉकों में पहुंच कर कर्मचारियों को उत्पादन लक्ष्य पूरा होने पर बधाई दी। वे भेल के नगर प्रशासन विभाग, कस्तूरबा अस्पताल और गेस्ट हाउस पहुंचे। उन्होंने सभी मौजूद कर्मचारियों को बधाई दी। इस अवसर पर महाप्रबंधक मानव संसाधन टीयू सिंह और अपर महाप्रबंधक प्रचार एवं जनसंपर्क उपेन्द्र सिंह से मौजूद रहे।

बेहटा गांव में 55 फीट ऊंची धर्मध्वजा की स्थापना
संतनगर. विराट श्री मानव सेवा संस्थान ने बेहटा गांव स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर में 55 फीट ऊंची धर्मध्वजा की स्थापना की। यह ध्वजा कंचेदीलाल केवट की स्मृति में समर्पित है। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष रामू केवट, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, कमल विधानी, गुड्डू मेहर, सेठी चांदनी, लविन मनसुखानी आदि उपस्थित रहे।

जुलूस पर विवाद आपत्तिजनक नारेबाजी का लगाया आरोप

कुरैशी समाज ने सख्त कार्रवाई की मांग की

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हनुमान जयंती के जुलूस को लेकर विवाद अब और गहरा गया है। ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश (एमपी) की ओर से थाना तलैया पुलिस को दिए गए ज्ञापन में स्पष्ट तौर पर 'भानु हिंदू' नामक व्यक्ति पर आरोप लगाया गया है कि उसने जुलूस के दौरान मुस्लिम समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

संगठन के प्रदेश महासचिव मोहम्मद रफीक कुरैशी ने बताया कि 2 अप्रैल 2026 को इस्लामपुरा-बुधवारा क्षेत्र से निकले धार्मिक जुलूस के दौरान यह घटना हुई। आरोप है कि जैसे ही जुलूस मुस्लिम बाहुल्य इलाके में पहुंचा, भानु ने समुदाय विशेष को निशाना बनाते हुए नारेबाजी की और अपमानजनक टिप्पणियां कीं, जिससे कुछ समय के लिए इलाके में तनाव का माहौल बन गया। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो के जरिए नफरत फैलाने और दो समुदायों के बीच वैमनस्य पैदा करने की कोशिश की जा रही है, जो शहर की गंगा-जमुनी तहजीब के लिए खतरा है। संगठन ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि आरोपी भानु के खिलाफ तत्काल प्रकरण दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए।

साथ ही, वायरल वीडियो की जांच कर उन्हें हटाने और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था लागू की जाए।

चौथे महीने यात्रियों की संख्या डेढ़ लाख से कम

गोवा फ्लाइट्स बंद होने से घटा भोपाल का हवाई ग्राफ

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजा भोज एयरपोर्ट से देश के विभिन्न शहरों की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या लगातार चौथे माह डेढ़ लाख से कम रही है। नवंबर 2025 में एयरपोर्ट क्लब डेढ़ लाख में शामिल हो गया था लेकिन इसके बाद यह आंकड़ा डेढ़ लाख तक नहीं पहुंच सका है। फरवरी के मुकाबले मार्च माह में यात्रियों की संख्या कम दर्ज की गई है। मार्च माह में मौसम अच्छा होने के कारण उड़ानें निरस्त नहीं हुईं, लेकिन अंतिम सप्ताह में गोवा उड़ान बंद कर दी गई। एयर इंडिया की दिल्ली उड़ान कुछ समय बंद रही। इसका असर यात्री संख्या पर नजर आ रहा है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी का कहना है कि हमारा लक्ष्य यात्रियों की मासिक संख्या दो लाख तक पहुंचाना है। समर सीजन में यह संख्या आसानी से हो सकती है।

चार्टेड विमानों की आवाजाही भी एयरपोर्ट पर: 24 घंटे उड़ान संचालन सुविधा शुरू होने के बाद चार्टेड विमानों की आवाजाही भी होने लगी है। नॉन शेड्यूल डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल उड़ानों की आवाजाही भी हो रही है। इन यात्रियों की संख्या नियमित यात्रियों से अलग है।

मध्यप्रदेश पुलिस को उत्कृष्ट कार्यों के लिए मिले पुरस्कार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

दिल्ली में आयोजित एक समारोह में मध्यप्रदेश पुलिस को तीन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्कॉच पुरस्कार से नवाजा गया। ये तीनों पुरस्कार को शुक्रवार को पीएचक्यू में डीजीपी कैलाश मकवाना को सौंपे गए। बता दें कि मध्यप्रदेश पुलिस को नशे से दूरी है जरूरी जन जागरूकता, डिजिटल पुलिसिंग एवं साइबर नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्यों के लिए तीन पुरस्कार मिले। ये प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्कॉच पुरस्कार डीजीपी मकवाना को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जयदीप प्रसाद, नारकोटिक्स डी श्रीनिवास वर्मा तथा पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने सौंपे। डीजीपी मकवाना ने सभी अधिकारियों एवं पुलिस बल को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि मध्यप्रदेश पुलिस की टीमवर्क, नवाचार एवं जनसेवा की प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान मध्यप्रदेश पुलिस की उत्कृष्ट कार्यशैली, आधुनिक दृष्टिकोण एवं समाज-केंद्रित पुलिसिंग का सशक्त प्रमाण है।

निगम ने इंजीनियर-सुपरवाइजर पर कार्रवाई की

जनगणना की बैठक में नहीं पहुंचने वाले 32 कर्मचारियों को थमाया नोटिस

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत की जनगणना-2027 के संबंध में रखी गई बैठक में शामिल नहीं होना नगर निगम के 32 अधिकारी-कर्मचारियों को महंगा पड़ा। कमिश्नर संस्कृति जैन ने सभी को नोटिस थमाए हैं। सभी से जवाब मांगा है। समय पर जवाब नहीं मिला तो कड़ी कार्रवाई होगी।

निगम प्रशासन ने संबंधितों को 6 अप्रैल तक स्वयं उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण पेश करने के लिए कहा है। चेतावनी दी कि संबंधितों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिनको नोटिस जारी किए उनमें निगम प्रशासन ने सहायक यंत्री आदित्य शर्मा, गौरव प्रजापति, केसी गुप्ता, अजय सोलंकी, शुभम वर्मा, निशांत तिवारी, एसबी सिंह, चंदन पिपलाद,

ज्योति मानकेले, पवन मेहरा, अभिषेक मालवीय, अंकुर रायजादा, अमन सिंह, उप यंत्रीग संजय बराड़िया, अमर सिंह यादव, आकृति पटेल, आदित्य खरे, अनिता मेहर, शुभकामना ठाकुर, सत्यम सिंह, अमित कुमार दुबे, कीर्ति तोमर, अजय राजावत, अमित दुबे, जोगेंदर सिंह, रूपांकन वर्मा, जितेन्द्र गुप्ता, शीतल विश्वकर्मा, सुपरवाइजर श्रीनिवास द्विवेदी व इफ्तिखार खान, समयपाल अंशुल पांडे को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

भोपाल में फील्ड प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू–राजधानी में जनगणना को लेकर 2026 फील्ड प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण मॉडल स्कूल में शुरू हो गया है। 4 अप्रैल तक आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे दिन शुक्रवार को 33 बिंदुओं पर जनगणना कार्य करने के बारे में बताया गया। जनगणना के जिला अधिकारी व एसडीएम भुवन गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण में पहले दिन कुल 55 कर्मचारी शामिल हुए। सभी की ट्रेनिंग बारी- बारी से 16 अप्रैल तक पूरी कर ली जाएगी। ट्रेनिंग में नहीं आने वाले कर्मचारी पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय का निःशुल्क नेत्र शिविर

346 विद्यार्थियों व अभिभावकों की आंखों की जांच की गई

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर के सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा नरसिंहगढ़ के प्रज्ञा सागर पब्लिक स्कूल में शिक्षकों, उनके परिरवाजन, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए निःशुल्क दृष्टि दोष एवं नेत्र रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक मोहन शर्मा व सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी द्वारा किया गया। न्यायाधीश मीनू पचौरी दुबे, एसडीएम ब्यावरा गोविंद दुबे भी उपस्थित थे।

नेत्र शिविर में विद्यालय के 346 छात्र-छात्राओं की आंखों की जांच की गई, जिसमें से 10 लोगों की मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई और 40 व्यक्तियों को चिकित्सा परामर्श हेतु सेवा सदन अस्पताल जाकर इलाज करवाने की सलाह दी गई। विधायक शर्मा ने सेवा सदन द्वारा विद्यार्थियों के लिए लगाए गए नेत्र एवं दंत रोग निवारण शिविर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संत हिरदारामजी द्वारा भोपाल में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से बड़ी संख्या में गरीब रोगियों की सेवा की। अभी भी उनके अनुव्यायियों द्वारा संतजी के सेवा कार्यों को निरंतर संचालित किया जा रहा है।

ज्ञानचंदानी ने बताया कि सेवा सदन अब अपने नवनिर्मित भवन, आशाराम बापू चौराहा, एयरपोर्ट रोड, गांधीनगर में स्थानांतरित हो गया है, जिससे भोपाल एवं आसपास के 10 जिलों की 1.89 करोड़ आबादी को बेहतर नेत्र सुरक्षा सेवाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमेन नवरंगलाल धाकड़, डायरेक्टर हरीश मूलानी, भोपाल नगर निगम के पार्षद राजेश हिंगोरानी, जनप्रतिनिधि कमल प्रेमचंदानी, मुरली मूलानी, गोपाल गिरधानी उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

माल दुलाई का वजन बढ़कर 7.23 मिलियन टन तक पहुंचा

चौथी लाइन बनने से रेल यातायात और अधिक तेज होगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे रामगंज मंडी-भोपाल और इंदौर-बुधनी नई रेल लाइनों पर तेजी से काम शुरू कर दिया है, वही बीना-इटारसी चौथी रेल लाइन को भी मंजूरी मिल चुकी है, इसका भी काम जल्द शुरू होने जा रहा है। इससे रेल यातायात और अधिक सुगम और तेज हो जाएगा।

यह जानकारी पश्चिम मध्य रेलवे के डीआरएम पंकज त्यागी ने आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि भोपाल मंडल का कुल कमाई में मालभाड़ा का सबसे बड़ा योगदान रहा। इस सेक्टर से 896.38 करोड़ रुपये की आय हुई, जिसमें 13.99 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। माल ढुलाई का कुल वजन बढ़कर 7.23 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों में तेजी का संकेत है। इस पत्रकारवार्ता में सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया और जनसंपर्क अधिकारी नवल अग्रवाल उपस्थित रहे।

भोपाल रेल मंडल को मिली रिकार्ड आय में यात्री सुविधाओं और माल ढुलाई का विशेष योगदान रहा है। भोपाल मंडल ने समाप्त वित्तीय वर्ष में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1852.06 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड आय दर्ज की ह, जोकि पिछले वर्ष 2024-25 की तुलना में 8.77 प्रतिशत अधिक है। पमरे ने यात्री सेवा, माल व्यवसाय, सुरक्षा, संरक्षा, यात्री सुविधा तथा अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है।

डीआरएम ने बताया कि यात्री सेवाओं में भी भोपाल मंडल ने सकारात्मक बढ़ोतरी की। कुल 414.80 लाख यात्रियों ने भोपाल से चलने और गुजरने वाली ट्रेनों में सफर किया। इससे यात्री आय में 6.50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बीते वित्त वर्ष में यात्रियों की सुविधा के लिए भोपाल-धनबाद और भोपाल-चोपन एक्सप्रेस जैसी नई ट्रेनें शुरू की गईं। साथ ही आधे दर्जन प्रमुख ट्रेनों में एलएचबी कोच लगाए, जिससे सफर अधिक सुरक्षित और आरामदायक हुआ। त्यागी ने बताया कि पमरे भोपाल मंडल ने अतिरिक्त भीड़ को संभालने वर्षभर में 8923 विशेष ट्रेनें चलाई गईं। बिना टिकट यात्रा के खिलाफ सख्ती से अभियान चलाकर 39.18 करोड़ रुपये की वसूली कर कुल 6.16 लाख मामले दर्ज किए। खास बात यह रही कि एक टिकट चेकिंग कर्मचारी ने अकेले 1 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना वसूल कर नया कीर्तिमान बनाया। यूटीएस मोबाइल के माध्यम से टिकट बुकिंग पर 3 प्रतिशत छूट का लाभ 25.58 लाख यात्रियों ने उठाया। इससे आय बढ़ी है। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नर्मदापुरम और शाजापुर स्टेशनों का पुनर्विकास पूरा हो चुका है। जबकि 13 अन्य स्टेशनों पर काम जारी है। भोपाल स्टेशन पर 100 बेड वाला पॉड रिटायरिंग रूम और 300 यात्रियों की क्षमता वाला एग्जीक्यूटिव लाउंज और प्लेटफॉर्म न. 01 पर फूड प्लाजा फिर से शुरू किया गया है। साथ ही मंडल के 49 स्टेशनों को दिव्यांगजन अनुकूल बनाया जा चुका है।

फिर मिलेगा केरोसिन, प्रति परिवार 3 लीटर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रसोई गैस के विकल्प के तौर पर केरोसिन बेचा जाएगा। पांच साल बाद यह व्यवस्था मांग के आधार पर लागू होने जा रही है। जिलों से कलेक्टर मांग करते हैं तो फिर प्रति परिवार तीन लीटर के हिसाब से खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग केरोसिन उपलब्ध कराएगा। प्रदेश को भारत सरकार ने 10 लाख लीटर केरोसिन का आवंटन दिया है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उज्ज्वला योजना में गैस चूल्हे और सिलिंडर उपलब्ध कराए गए हैं। इसके बाद केरोसिन का वितरण पीडीएस में बंद हो गया। गैस आपूर्ति की बाधा तो देखते हुए भारत सरकार ने विकल्प के तौर पर केरोसिन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

वाराणसी के महानाट्य में जीवंत हुआ सम्राट विक्रमादित्य का सुशासन

उत्तर प्रदेश की धर्मनगरी वाराणसी में शुक्रवार की देर रात कुछ अलग थी। हवा में इतिहास की गूंज थी और मंच पर संस्कृति की सांसें. बीएलडब्ल्यू मैदान में जब विशाल मंच पर सम्राट विक्रमादित्य के जीवन का महानाट्य शुरू हुआ, तो हजारों दर्शक मानो दो हजार वर्ष पुराने युग में लौट गए। घोड़ें-हाथियों की गर्जना, युद्ध और सुशासन के दृश्य, संगीत-प्रकाश की भव्यता और संवादों की गंभीरता ने दर्शकों को बांधे रखा. तीन दिन तक चलने वाले इस मंचन ने न सिर्फ रोमांच जगाया, बल्कि इतिहास, परंपरा और समकालीन सवालों के बीच एक सशक्त मंच भी रचा। कार्यक्रम में मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

हाईकोर्ट में 20 अप्रैल को तय है सुनवाई

राज्यसभा चुनाव तय करेगा निर्मला बीजेपी की या कांग्रेस की, वजह- दिखाना पड़ेगा वोट किसे दिया

सागर, दोपहर मेट्रो

बीना विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकिट पर चुनाव जीतीं निर्मला सप्रे किस पार्टी के साथ हैं यह राज्यसभा चुनाव में साफ हो सकता है। इन चुनावों में गुप्त मतदान नहीं होता और विधायक को अपना वोट पार्टी प्रतिनिधि को दिखाना होता है। नियम का उल्लंघन करने पर वोट रद्द हो सकती है।

दरअसल, जून में मध्य प्रदेश कोटे की राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रही हैं। इनमें से दो पर बीजेपी की जीत तय है, जबकि कांग्रेस के कब्जे में रही तीसरी सीट पर पेंच फंसा है। तीसरी सीट पर बीजेपी की कोशिशों से कांग्रेस में क्रॉस वोटिंग की आशंका जताई जा रही है। निर्मला सप्रे की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की याचिका पर हाईकोर्ट में 20 अप्रैल को सुनवाई है। उनके वकील ने उन्हें कांग्रेस का सदस्य बताया है। कोर्ट में कांग्रेस को 9 अप्रैल तक यह साबित करना है कि निर्मला ने बीजेपी जॉइन कर ली है। स्थानीय जनता में भी उनकी पार्टी को लेकर भ्रम है। खुद निर्मला का कहना है कि उनकी स्थिति पर अंतिम फैसला कोर्ट करेगा।

बैनर-पोस्टरों पर पार्टी का जिक्र नहीं

बीना में दाखिल होते ही विधायक निर्मला सप्रे के बैनर-पोस्टर दिखते हैं, लेकिन उन पर किसी पार्टी का नाम या चुनाव चिह्न नहीं है। बीना में तहसील दफ्तर के पास उनके जनसंपर्क कार्यालय में न तो बीजेपी और न ही कांग्रेस का झंडा है, बल्कि पोस्टरों पर सिर्फ विधायक निर्मला सप्रे लिखा है। यहां लगे पुराने पोस्टरों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और सीएम मोहन यादव समेत बीजेपी नेताओं की तस्वीरें हैं, जो उनके राजनीतिक रुझान के संकेत बताती हैं। जानकारों के मुताबिक, यह साइलेंट पॉलिटिक्स रणनीति है। एक स्थानीय व्यापारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि यदि निर्मला खुद को बीजेपी का सदस्य घोषित करती हैं तो उनकी विधायकी पर खतरा हो सकता है। उपचुनाव में उनकी जीत तय नहीं होगी।

जनता की राय- भ्रम, नाराजगी और मजबूरी

बीना के अलग-अलग इलाकों में लोगों से बातचीत में इस मुद्दे पर बंटी हुई राय सामने आई। यादव लस्सी स्टॉल पर विजय कुमार ओसवाल ने कहा कि निर्मला सप्रे बीजेपी के कार्यक्रमों में सक्रिय दिखती हैं और सरकार से विकास कार्यों के लिए सहयोग ले रही हैं। इस्माइल खान ने कहा कि निर्मला सप्रे कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुनी गई हैं। अब यदि बीजेपी से चुनाव लड़ेंगी तो जीत मुश्किल होगी, क्योंकि जनता ने कांग्रेस को वोट दिया था। वहीं, दुकानदार चंद्रभान ने दावा किया कि उन्होंने सप्रे को बीजेपी उम्मीदवार मानकर वोट दिया, जबकि वे कांग्रेस से चुनाव लड़ी थीं। यह जमीनी स्तर पर कन्फ्यूजन को भी दिखाता है। राजेश शुक्ला ने कहा कि सप्रे ने पार्टी बदलकर जनता के भरोसे को तोड़ा और अब उनकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। लक्ष्मीकांत कुशवाहा ने इसे जनता के वोट का अपमान बताया, जबकि अजब सिंह यादव ने कहा कि विकास प्राथमिकता है और सत्ताधारी दल के साथ रहना व्यावहारिक है।

अंतिम फैसला विधानसभा अध्यक्ष और अदालत पर निर्भर

संविधान की दसवीं अनुसूची (दल-बदल विरोधी कानून) के अनुसार, यदि कोई विधायक पार्टी छोड़ता है या व्हिप के खिलाफ वोट करता है, तो उसकी सदस्यता रद्द हो सकती है। अंतिम फैसला विधानसभा अध्यक्ष लेते हैं। निर्मला सप्रे का मामला इसी कानूनी स्थिति में है। उन्होंने न कांग्रेस से इस्तीफा दिया है, न बीजेपी में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा की है। बीजेपी के कार्यक्रमों में सक्रियता के बावजूद, तकनीकी रूप से वे अभी कांग्रेस विधायक हैं। अंतिम फैसला विधानसभा अध्यक्ष और न्यायपालिका पर निर्भर है।

बीजेपी में जाने के साक्ष्य पेश करेगी कांग्रेस

निर्मला सप्रे की विधानसभा सदस्यता मामले में हाईकोर्ट में अब 20 अप्रैल को सुनवाई होगी। इससे पहले 31 मार्च को हुई सुनवाई में निर्मला के वकील ने उन्हें कांग्रेस की सदस्य बताया। वहीं, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की ओर से उनके बीजेपी में जाने के साक्ष्य 9 अप्रैल तक पेश करने की बात कही गई। संसदीय मामलों के जानकार भगवानदेव इसराणी के मुताबिक, आखिरी फैसला सबूतों पर निर्भर करेगा और जरूरत पड़ने पर स्थिति राज्यसभा चुनाव में स्पष्ट हो सकती है।

193 शराब दुकानों के लिए 30% कम के ऑफर

आबकारी विभाग का फैसला, 13वें चरण की नीलामी होगी, ऑफसेट प्राइस की अधिकतम सीमा 30%

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में 193 दुकानों के लिए आबकारी विभाग को 30 प्रतिशत से कम के ऑफर मिले हैं। सरकार को 1216.34 करोड़ रुपए के ऑफर इन दुकानों में मिले हैं। अब तक 3099 शराब दुकानों की नीलामी से 16,637.85 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हो चुका है। मंत्रिमंडलीय समिति ने तय किया है कि 13वें चरण में ऑफसेट प्राइस की सीमा भी अधिकतम 30त्र तक ही रखी जाएगी। नीलामी के 13वें चरण में शराब दुकानों की नीलामी केवल ई-टेंडर के माध्यम से होगी, किसी प्रकार का ऑक्शन नहीं किया जाएगा।

प्रदेश में शराब दुकानों के आवंटन को लेकर मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में आबकारी विभाग के अफसरों ने जानकारी दी कि नीलामी के 12वें चरण में आरक्षित मूल्य से अधिकतम 30% तक कम ऑफर ई-टेंडर के माध्यम से प्राप्त हुए। इसमें से 193 दुकानों के लिए 1216.34 करोड़ रुपए के ऑफर मिले, जो -30 % सीमा के भीतर हैं।

अब तक 3099 शराब दुकानों की नीलामी से 16,637.85 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हो चुका है। यह राशि पिछले वर्ष के 12,404.73 करोड़ रुपए की तुलना में 34.13% अधिक है, जबकि आरक्षित मूल्य 16,434.94 करोड़ से भी 1.23% ज्यादा है। आबकारी विभाग के अनुसार, 454 दुकानें अभी भी नीलामी से शेष हैं। इन दुकानों के लिए मिले ऑफर आरक्षित मूल्य से 30त्र से नीचे होने के कारण होल्ड पर रखे गए हैं। बैठक में यह भी बताया गया कि ठेकेदारों की संख्या 489 से बढ़कर 860 हो गई है, जिससे नई आबकारी नीति के तहत एकाधिकार (मोनोपॉली) पर नियंत्रण स्थापित हुआ है। समिति ने निर्णय लिया है कि आरक्षित मूल्य से 30त्र से नीचे के ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे। साथ ही 13वें चरण में ऑफसेट प्राइस की सीमा भी अधिकतम 30त्र तक ही रखी जाएगी। नीलामी के 13वें चरण में शराब दुकानों की नीलामी केवल ई-टेंडर के माध्यम से होगी, किसी प्रकार का ऑक्शन नहीं किया जाएगा। मंत्री उदय प्रताप सिंह ने सुझाव दिया कि 30त्र से नीचे ऑफर वाली दुकानों के संचालन के लिए निगम गठन पर विचार किया जाए। इस प्रस्ताव की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

13वें चरण में ऐसे होगी प्रोसेस

- नीलामी केवल ई-टेंडर से होगा, ऑक्शन नहीं।
- 70 फीसदी (आरक्षित मूल्य का) से कम ऑफर स्वीकार नहीं होंगे।
- पुराने चरणों के होल्ड टेंडर पर EMD दोबारा नहीं देनी होगी।
- समूह एवं व्यक्तिगत दुकानों का अलग-अलग नीलामी।
- बड़े जिलों में समूह का आरक्षित मूल्य कुल का 20% से अधिक नहीं होगा।

पर्यावरणीय मंजूरी के नियमों में होगा बड़ा बदलाव

अब 45 दिन में सिया मौन रही तो मुख्य सचिव लेंगे फैसला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खदान, सड़क निर्माण या अन्य परियोजनाएं हों, इनकी पर्यावरणीय स्वीकृति से जुड़े महत्वपूर्ण नियम में केंद्र सरकार बदलाव करने जा रही है। इसके प्रभावी होने पर यदि किसी परियोजना को राज्य पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण (सिया) 45 दिन तक स्वीकृति नहीं देती है तो राज्यों में मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति इस पर निर्णय करेगी। इसमें प्रमुख सचिव, पर्यावरण और प्रमुख सचिव, नगरीय विकास एवं आवास सदस्य होंगे।

इसके लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने प्रारूप की अधिसूचना जारी कर सुझाव मांगे हैं। अभी ऐसी व्यवस्था है कि यदि 45 दिन तक सिया की स्वीकृति नहीं मिलती तो परियोजना अपने आप स्वीकृत मानी जाती है। मध्य प्रदेश में भी वर्ष 2025 में ऐसा मामला सामने आ चुका है। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। सभी राज्यों में सिया है। वहां भी ऐसे मामले हो सकते हैं।

स्वीकृति न मिलने का बड़ा कारण बैठक न होना

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की शर्तों के अनुरूप नहीं होतीं। सामान्यतः 45 दिन में स्वीकृति नहीं मिलने का बड़ा कारण सिया की बैठक नहीं होना है। नई व्यवस्था में परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन करने के बाद ही अनुमति मिल पाएगी। इससे विवाद या पक्षपात की स्थिति भी नहीं बनेगी। अभी कई बार यह आरोप लगता है कि 45 दिन तक जानबूझकर बैठकें नहीं की जातीं, जिससे बिना मूल्यांकन अनुमति मिल सके।

इसी कारण केंद्र सरकार नियम बदलने जा रही है। अपने आप अनुमति मिलने की व्यवस्था में कमी यह है कि बिना मूल्यांकन के परियोजनाएं स्वीकृत होने पर उन्हें भी अनुमति मिल जाती है, जिन्हें पात्रता नहीं होती। यानी

मप्र पुलिस की अवैध हथियारों की तस्करी के विरूद्व सख्त कार्रवाई

भोपाल। मप्र पुलिस अवैध हथियारों की तस्करी एवं अपराध नियंत्रण के विरुद्ध प्रदेशभर में लगातार सख्त और प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी कार्यवाही के तहत विगत तीन सप्ताह के दौरान विभिन्न जिलों से 52 अवैध हथियार जब्त कर तस्करों को गिरफ्तार किया है। इंदौर जिले के द्वारकापुरी थाना क्षेत्र से पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (टेलीग्राम एवं इंस्टाग्राम) के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क स्थापित कर अवैध हथियारों की आपूर्ति करने वाले एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 06 देशी पिस्टल एवं 04 जिंदा कारतूस बरामद किए है।

खरगोन- जिले में थाना गोगावां पुलिस ने अंतर्राज्यीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा के आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 देशी पिस्टल एवं 05 देशी कट्टे (कुल 15 अवैध हथियार) तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की।

सिंहस्थ 2028 के लिए मप्र सरकार का बड़ा ऐलान

उज्जैन में 700 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनाई जाएगी नई बाईपास सड़क

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

सहंस्थ महाकुंभ 2028% से पहले इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घोषणा की कि उज्जैन में 700 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से एक नई बाईपास सड़क बनाई जाएगी। %महाकालः समय के स्वामी% नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि महत्वाकांक्षी बाईपास परियोजना के लिए %भूमि पूजन% (शिलान्यास समारोह) संपन्न हो चुका है। मुख्यमंत्री यादव ने आगे कहा, ÷यह 700 करोड़ रुपए की बाईपास सड़क विशेष रूप से सिंहस्थ 2028 के लिए विकसित की जा रही है। मैं आधुनिक बुनियादी ढांचे के इस महत्वपूर्ण उपहार को पाने पर उज्जैन की

जनता को बधाई देता हूं।÷ इस आयोजन के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ÷सिंहस्थ या कुंभ मेला केवल एक शहर, एक राज्य, या यहां तक कि एक राष्ट्र का त्योहार नहीं है, यह पूरे विश्व का सबसे बड़ा जन-समागम है। हमारी (भाजपा) सरकार इस भव्य वैश्विक आयोजन के सुचारू प्रबंधन और समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।÷

35 से 40 करोड़ भक्तों के लिए तैयार हो रहा बुनियादी ढांचा

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आध्यात्मिक और वैज्ञानिक विकास के साथ-साथ, राज्य सरकार सिंहस्थ महाकुंभ 2028 के दौरान अपेक्षित 35 से 40 करोड़ श्रद्धालुओं की उचित मेजबानी करने के लिए उज्जैन में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा सुविधाएं बनाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। इस नई बाईपास सड़क से इस विशाल आयोजन के दौरान भारी यातायात जाम की समस्या कम होने और तीर्थयात्रियों तथा आगंतुकों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और सुगम आवागमन सुनिश्चित होने की संभावना है।

मप्र सरकार को नहीं डीआर की अवधि में कटौती का अधिकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने शासकीय सेवकों को 01 जुलाई 25 से एवं पेंशनरों को देय अवधि में छः माह की कटौती कर 01 जनवरी 26 से 3त्र मंहगाई राहत देने को असंवैधानिक बताया है। एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी एवं प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने कहा कि डी आर की अवधि में कटौती हाल ही में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पश्चिम बंगाल के कर्मचारियों के संदर्भ में दिये गये निर्णय की स्पष्ट अवमानना है। भोपाल जिले के अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने कहा कि डी आर की अवधि में कटौती करने का सरकार के पास न तो कोई नियम है और न ही अधिकार । सक्सेना ने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के मुख्य एवं वित्त सचिव को नाम से पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि महंगाई राहत की अवधि में कटौती संवैधानिक व्यवस्था के प्रतिकूल है एवं सरकार जानबूझकर वृद्ध पेंशनरों को आर्थिक जटिलताओं मे जीवन-यापन करने के लिए विवश कर रही है । एसोसिएशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष संतोष ठाकुर, शैलेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, प्रांतीय सचिव रामगोपाल माथुर, यशवंत सिंह बैस ने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य पुर्नगठन अधिनियम-2000, एकीकृत मध्यप्रदेश के पेंशनरी दायित्वों के प्रभाजन पर लागू है, न कि उत्तवर्ती पेंशनरी दायित्वों पर । शासन को स्पष्ट करना चाहिए कि एकीकृत मध्यप्रदेश के शासकीय सेवक, जो उत्तरवर्ती राज्य से सेवानिवृत हो रहे हैं, उनके सेवानिवृत्ति परिलाभों के भुगतान से पूर्व सहमति क्यों नहीं ली जा रही।

मेट्रो एंकर

रिजल्ट से पहले मन्नत की पर्चियों से भरी मंदिरों की दान-पेटियां

हे भगवान! पास कर दो, 100 परिक्रमा लगाऊंगी, 100 लड्डू चढ़ाऊंगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी बोर्ड 10वीं-12वीं के रिजल्ट से पहले भोपाल में छात्र-छात्राओं के बीच आस्था का माहौल देखने को मिल रहा है। रिजल्ट को लेकर बढ़ती चिंता के बीच बड़ी संख्या में विद्यार्थी मंदिरों में पहुंचकर दान-पेटियों में पर्चियां डालकर पास होने और अच्छे अंक आने की मन्नत मांग रहे हैं। न्यू मार्केट स्थित शनि मंदिर और 1100 क्वार्टर्स के पास स्थित मंदिर में इन दिनों बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पहुंच रहे हैं। यहां दान-पेटियों में पर्चियां डालकर अच्छे परिणाम की कामना की जा रही है।

छात्र- छात्राओं की पर्चियों में अलग-अलग तरह की मन्नतें लिखी जा रही हैं। सुहानी ने लिखा कि अगर वह पास हो जाती है तो मंदिर में 100 बार परिक्रमा लगाएगी। अन्वेषा ने अच्छे अंकों से पास होने पर लड्डू चढ़ाने का संकल्प लिया है। वहीं, भावनी ने हनुमानजी से प्रार्थना करते हुए लिखा कि अच्छे नंबर आने पर वह परिक्रमा और दर्शन करेगी। भावनी ने बताया कि उसने 12वीं की परीक्षा दी है और पास होने की कामना लेकर मंदिर आई है। उसने पर्ची में लिखा है कि यदि वह परीक्षा में सफल होती है तो 100 लड्डू चढ़ाएगी।

न्यू मार्केट स्थित शनि मंदिर के पुजारी पंडित अरुण बुचके के मुताबिक, इन दिनों दान-पेटियों में रखी पर्चियों की संख्या काफी बढ़ गई है। इनमें ज्यादातर छात्र-छात्राओं की अर्जी है, जो परीक्षा में पास होने, अच्छे नंबर लाने या भविष्य में नौकरी मिलने की कामना कर रहे हैं। उनका कहना है कि श्रद्धालु मन्नत पूरी होने के बाद मंदिर में आकर पूजा-अर्चना करते हैं। चोला चढ़ाते हैं और दीप जलाते हैं। रिजल्ट के समय यह परंपरा हर साल देखने को मिलती है, लेकिन इस बार संख्या ज्यादा नजर आ रही है। रिजल्ट को लेकर बढ़ते तनाव के बीच छात्र आस्था का सहारा ले रहे हैं। श्रद्धा ने बताया कि उसने 10वीं की परीक्षा दी है और पास होने की मन्नत लेकर दान पेटी में पर्ची डाली है। उसका कहना है कि रिजल्ट अच्छा आने पर वह भगवान की 100 बार परिक्रमा करेगी। रिजल्ट से पहले का यह दौर जहां एक ओर छात्रों के लिए तनाव भरा होता है, वहीं दूसरी ओर मंदिरों में उमड़ती यह आस्था उनके मन को सुकून भी दे रही है।

7 से 12 अप्रैल के बीच आ सकता है रिजल्ट

मध्यप्रदेश में एमपी बोर्ड 10वीं और 12वीं के लाखों छात्रों का इंतजार अब जल्द खत्म होने वाला है। माध्यमिक शिक्षा मंडल इस साल 15 अप्रैल से पहले रिजल्ट जारी करने की तैयारी में है, जबकि संभावित तारीख 7 से 12 अप्रैल के बीच तय हो सकती है। स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि सभी जरूरी प्रक्रियाएं अंतिम चरण में हैं और रिजल्ट पूरी तरह त्रुटिरहित जारी किया जाएगा। इस बार करीब 16 लाख छात्र परीक्षा में शामिल हुए हैं। ऐसे में समय पर परिणाम घोषित कर छात्रों को आगे की पढ़ाई में कोई देरी न हो, यह विभाग की प्राथमिकता है।

भारत की नई शक्ति

भारत की रक्षा नीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां से उसका स्वरूप केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन में सक्रिय भागीदारी की ओर बढ़ता दिखाई देता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हालिया संकेत इसी व्यापक परिवर्तन की ओर इशारा करते हैं। आईएनएस अरिदमन और आईएनएस तारागिरी का एक साथ उभरना केवल सैन्य उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की दीर्घकालिक सामरिक सोच का स्पष्ट प्रमाण है। सबसे पहले बात अरिदमन की। यह परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी भारत की समुद्री प्रतिरोधक क्षमता का सबसे मजबूत स्तंभ बनने जा रही है। परमाणु त्रिआयामी क्षमता - थल, जल और वायु में समुद्री आयाम सबसे जटिल और प्रभावी माना जाता है, क्योंकि पनडुब्बियां अदृश्य रहकर भी घातक जवाब देने में सक्षम होती हैं। अरिदमन के शामिल होने से भारत की 'सेकंड-स्ट्राइक' क्षमता न केवल मजबूत होगी, बल्कि अधिक विश्वसनीय भी बनेगी। इसका सीधा अर्थ है कि कोई भी विरोधी देश भारत पर परमाणु हमला करने से पहले सौ बार सोचेगा।

यहां एक महत्वपूर्ण पहलू भारत की 'नो-फर्स्ट-यूज' नीति है। भारत ने हमेशा यह स्पष्ट किया है कि वह पहले परमाणु हथियार का इस्तेमाल नहीं करेगा। लेकिन इस नीति की विश्वसनीयता तभी बनी रह सकती है, जब जवाबी क्षमता अटूट हो। अरिदमन इसी भरोसे को मजबूती देता है। यह एक तरह से शांति का प्रहरी है, जो युद्ध को रोकने की क्षमता रखता है। दूसरी ओर, तारागिरी भारत की पारंपरिक नौसैनिक शक्ति को आधुनिक स्वरूप देने का प्रतीक है। 'प्रोजेक्ट 17ए' के तहत विकसित यह युद्धपोत केवल एक जहाज नहीं, बल्कि अत्याधुनिक तकनीक का चलता-फिरता प्लेटफॉर्म है। इसकी स्टेल्थ डिजाइन इसे दुश्मन के रडार से लगभग अदृश्य बना देती है, जबकि इसकी मिसाइल प्रणाली और पनडुब्बी रोधी क्षमताएं इसे बहुआयामी युद्ध के लिए तैयार करती हैं। तारागिरी की एक और अहम विशेषता इसका स्वदेशी निर्माण है। 75 प्रतिशत से अधिक घरेलू सामग्री और सैकड़ों एमएसएमई की भागीदारी यह दिखाती है कि भारत अब रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में गंभीरता से आगे बढ़ रहा है। यह न केवल रणनीतिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी देश को सशक्त बनाता है। इन दोनों उपलब्धियों को व्यापक भू-राजनीतिक संदर्भ में देखना जरूरी है। हिंद महासागर क्षेत्र आज वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुका है। ऐसे में भारत की मजबूत समुद्री उपस्थिति केवल उसकी सुरक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

अभिभावक की नजर में ...जेईई से आईआईटी तक का सफर

यह सिर्फ एक परीक्षा नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन और पूरे परिवार के विश्वास का इम्तिहान

सुनील भंडारी
दोपहर मेट्रो से संबद्ध स्तंभकार

आज जब देशभर में लाखों छात्र जेईई मेंस और एडवांस जैसी कठिन परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं, मैं अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर कुछ महत्वपूर्ण बातें साझा करना चाहता हूं। मेरा बेटा अर्णब भी इसी दौर से गुजरा है और वर्तमान में आईआईटी खड़गपुर में कंप्यूटर साइंस में बीटेक के द्वितीय वर्ष का छात्र है। इस पूरी यात्रा ने हमें बहुत कुछ सिखाया सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि धैर्य, संतुलन और सही मार्गदर्शन का महत्व भी।

आज स्थिति यह है कि जेईई की परीक्षा में हर साल लगभग 15 लाख छात्र शामिल होते हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा साल दर साल और कठिन से कठिनतम होती जा रही है। ऐसे में सही पूर्व रणनीति और मानसिक तैयारी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

जेईई एक लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है।

पहला: छात्र का लक्ष्य स्पष्ट हो, लेकिन इसके लिए उस पर अनावश्यक दबाव न बनाए।

दूसरा : कई बार अभिभावक अपनी अपेक्षाएं बच्चों पर थोप देते हैं, जो आगे चलकर तनाव का कारण बनती हैं।

तीसरा: रोजाना पढ़ाई का एक निश्चित समय और संतुलित टाइम-टेबल होना जरूरी है।

चौथा: सिर्फ पढ़ना ही काफी नहीं। समय-समय पर मॉक टेस्ट देना और अपनी गलतियों का विश्लेषण बेहद जरूरी है। इससे परीक्षा के पैटर्न का पता चलता है।

जेईई की तैयारी के दौरान तनाव लाज़मी है। ऐसे में अभिभावकों की भूमिका बेहद अहम हो जाती है।

पांचवां : बच्चों से संवाद बनाए और उन्हें समझें। हर परिस्थिति में उनका समर्थन करें।

छठवां: जरूरी लगे तो उसे ब्रेक दे।

सातवां: हर बच्चे की क्षमता और गति अलग होती है। इसलिए किसीसे तुलना बच्चे का आत्मविश्वास कमजोर करता है।

आठवां: सही मार्गदर्शन और संसाधन अच्छे शिक्षक, बेहतर स्टडी मटेरियल का चयन बड़ी चुनौती।

नौवां: मौजूद दौर में सूचनाओ का तेज प्रवाह भ्रमित करता है। इसलिए फोकस से ना भटके।

दसवां: परिवार और शिक्षकों की अहम भूमिका

इस कठिन यात्रा में केवल छात्र ही नहीं, बल्कि उनके परिवार और शिक्षक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

परिवार सकारात्मक वातावरण और प्रोत्साहन बच्चे को आगे बढ़ने की ऊर्जा देती है। शिक्षकों और कोचिंग संस्थानों का मार्गदर्शन छात्रों को सही दिशा प्रदान करता है। जेईई की तैयारी के दौरान मानसिक संतुलन बनाए रखना उतना ही जरूरी है जितना कि पढ़ाई करना। कई छात्र तनाव और दबाव का सामना करते हैं, ऐसे में परिवार का सहयोग उनके लिए संबल बनता है। जेईई जैसी परीक्षा सिर्फ अकादमिक चुनौती नहीं, बल्कि एक जीवन अनुभव है जो छात्र और परिवार दोनों को परिपक्व बनाता है। सही दिशा, संतुलन और धैर्य के साथ यह सफर न केवल सफल हो सकता है, बल्कि यादगार भी बन सकता है। मेरे अनुभव में, बच्चों पर भरोसा रखें, उन्हें सहयोग दें और यह समझें कि हर सफलता के पीछे सिर्फ मेहनत नहीं, बल्कि सही माहौल भी उतना ही जरूरी होता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

विरोधाभासी परिदृश्य और देश के सर्वोच्च सदन में उठती समान शिक्षा की पुकार

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्तंभकार

भारत का संविधान अपने मूल में एक ऐसे समाज की परिकल्पना करता है जहाँ प्रत्येक नागरिक को समान अवसर प्राप्त हों और वह अपने सामर्थ्य के अनुरूप विकास कर सके। यह विचार कहना होगा कि एक संवैधानिक संकल्प है जिसे अनुच्छेद 14, 21क और अन्य प्रावधानों के माध्यम से स्थापित किया गया है, किंतु जब हम शिक्षा के क्षेत्र में इस समानता की वास्तविक स्थिति का आकलन करते हैं तब एक जटिल और विरोधाभासी परिदृश्य सामने उभरकर आता है। वस्तुतः राज्यसभा में दिनेश शर्मा द्वारा उठाया गया प्रश्न इस विरोधाभास को और अधिक स्पष्ट करता है जिसमें उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त संरचनात्मक असमानता की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उनका यह तर्क कि 'संविधान की समानता की भावना के बावजूद शिक्षा व्यवस्था में भेदभाव मौजूद है!' भले ही ये कहना किसी राजनेता का हो, किंतु यह वक्तव्य भारत की हकीकत है, जोकि आज एक गहन संवैधानिक विमर्श का विषय है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण की गारंटी देता है। इसके साथ ही अनुच्छेद 21क के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित किया गया है जिसे 86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 के माध्यम से जोड़ा गया। यह संशोधन इस बात का प्रतीक था कि शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में स्वीकार किया गया है। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 29 और 30 सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों की रक्षा करते हैं, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों को अपने शिक्षण संस्थान स्थापित करने और संचालित करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं। यही वह बिंदु है जहाँ समानता और विशेषाधिकार के बीच संतुलन का प्रश्न उत्पन्न होता है।

राज्यसभा में प्रस्तुत विचारों के अनुसार अल्पसंख्यक संस्थानों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के कुछ प्रावधानों से छूट प्राप्त है जबकि अन्य संस्थानों को इन नियमों का पूर्णतः पालन करना होता है। दिनेश शर्मा ने इस स्थिति को अनुच्छेद 14 के साथ असंगत बताया और यह तर्क दिया कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रकार की संरचनात्मक असमानता उत्पन्न होती है। यहां समझ लें कि यह प्रश्न प्रशासनिक अथवा कानूनी नहीं है, यह उस मूलभूत विचार से जुड़ा है कि क्या राज्य सभी बच्चों को समान दृष्टि से देखता है? इस संदर्भ में अल्पसंख्यक संस्थानों को छूट प्रदान कर एक तरह से देश में शिक्षा के व्यावहारिक स्तर पर एक असमान ढाँचे को भी वैधता प्रदान कर दी गई है। देखा जाए तो शिक्षा व्यवस्था में यह असमानता कानूनी प्रावधानों तक सीमित नहीं है, यह संरचनात्मक और व्यावहारिक रूप में भी स्पष्ट दिखाई देती है। भारत में सरकारी विद्यालय, निजी विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और धार्मिक शिक्षण संस्थान इन सभी की गुणवत्ता संसाधन और अवसरों में भारी अंतर है। एक ओर महानगरों के निजी विद्यालय अत्याधुनिक सुविधाओं और वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान करते हैं वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का अभाव देखा जा सकता है। इस असमानता का परिणाम यह है कि विभिन्न पृष्ठभूमियों के छात्र एक ही प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेते हैं किंतु उनकी तैयारी और अवसर समान नहीं होते।

समान शिक्षा की आवश्यकता को कई स्तरों पर समझा जा सकता है। सामाजिक दृष्टि से यह जाति वर्ग और धर्म आधारित विभाजनों को कम कर सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह सभी को समान अवसर प्रदान कर प्रतिस्पर्धा को निष्पक्ष बना सकती है। राजनीतिक दृष्टि से यह लोकतंत्र को मजबूत कर सकती है क्योंकि शिक्षित और जागरूक नागरिक ही लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ कर सकते हैं। वैचारिक दृष्टि से यह समाज में एकरूपता और समरसता को बढ़ावा दे सकती है। यह भी सच है कि समान शिक्षा लागू करने में अनेक चुनौतियाँ भी हैं। क्योंकि भारत की विशाल जनसंख्या भाषाई और सांस्कृतिक विविधता राज्यों के अधिकार और निजी क्षेत्र की भूमिका ये सभी कारक इस प्रक्रिया को जटिल बनाते हैं। अतः समाधान का मार्ग संतुलन में निहित है जहाँ समानता और विविधता दोनों का सम्मान किया जाए। वर्तमान समय में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' ने इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने का प्रयास किया है। इस नीति में समानता, समावेशन और गुणवत्ता पर विशेष बल दिया गया है। नीति के अंतर्गत स्कूल कॉम्प्लेक्स की अवधारणा बहुभाषी शिक्षा और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से शिक्षा के लोकतंत्रीकरण की बात की गई है, किंतु इन नीतिगत प्रयासों के बावजूद जमीनी स्तर पर असमानता अभी भी बनी हुई है जिसका मुख्य कारण क्रियान्वयन की चुनौतियाँ और संस्थागत विविधता है। इस दिशा में कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले सभी शिक्षण संस्थानों के लिए न्यूनतम गुणवत्ता मानक निर्धारित किए जाएँ जिनका पालन अनिवार्य हो।

अतः यहां कहने का तात्पर्य यही है कि हम सभी यह स्वीकारें कि समान शिक्षा एक नीतिगत लक्ष्य न होकर देश हित में एक नैतिक आवश्यकता है। जब तक भारत के प्रत्येक बच्चे को समान गुणवत्ता की शिक्षा नहीं मिलेगी तब तक संविधान में निहित समानता का स्वप्न अधूरा ही रहेगा। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भी है कि 'शिक्षा वह शस्त्र है जिससे हम समाज को बदल सकते हैं।' कहना होगा क यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना स्वतंत्रता के समय था, इसलिए समय की मांग है कि शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त असमानताओं को दूर करने के लिए गंभीर और समन्वित प्रयास किए जाएँ। राज्यसभा में उठी यह बहस एक अवसर है, एक ऐसे भारत के निर्माण का जहाँ शिक्षा वास्तव में समान हो और हर नागरिक को अपने सपनों को साकार करने का समान अवसर प्राप्त हो सके। हम उम्मीद करें कि केंद्र एवं राज्य सरकारें इस विषय पर गंभीरता से विचार करेंगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

कोविड के नये वेरिएंट के मरीजों की संख्या बढ़ रही, घबराने की नहीं सावधानी की जरूरत

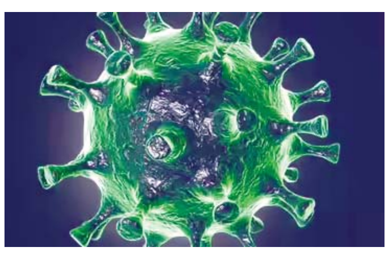

कई देशों में कोविड-19 के नये वेरिएंट के मामले देखने को मिल रहे हैं। पुराने स्ट्रेन के मुकाबले इसके अंदर कई सारे म्यूटेशन हैं, जिसकी वजह से यह ज्यादा संक्रामक बताया जा रहा है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इससे घबराने की जरूरत नहीं है। क्योंकि इसकी गंभीरता और लक्षणों में कोई खास चिंता वाली बात नहीं है। सिकाडा नाम से कोविड का नया वेरिएंट 20 से ज्यादा देशों में देखने को मिल रहा है। यह ओमिक्रोन की फैमिली से आता है और इसका नाम बीए.3.2 है। बचाव के लिए सावधानी और कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। बीए.3.2 को पुराने ओमिक्रोन के सबवेरिएंट का वंशज माना जा रहा है। जिसमें प्राकृतिक रूप से कुछ म्यूटेशन हो चुका है। पिछले वेरिएंट्स की तरह ही इसके प्रोटीन स्पाइक में भी कुछ बदलाव आया है। प्रोटीन स्पाइक वायरस का वो हिस्सा होता है, जो उसे इंसानों की सेल्स में घुसने में मदद करता है। इन म्यूटेशन की वजह से यह वायरस ज्यादा संक्रामक देखा जा रहा है और पिछले संक्रमण के खिलाफ बनी इम्यूनिटी या वैक्सीन को चकमा देकर शिकार बनाने में सक्षम माना जा रहा है। अभी तक वैश्विक स्तर पर इसे खतरनाक या चिंता का विषय नहीं माना गया है।

पिछले वेरिएंट से कितना अलग: BA.1 या BA.5 जैसे ओमिक्रोन के पिछले स्ट्रेन के मुकाबले BA.3.2 में फैलने की क्षमता थोड़ी ज्यादा है। खासकर घनी आबादी और कमजोर इम्यूनिटी वाले क्षेत्रों में यह गंभीर रूप दिखा सकता है। शुरुआती जांच में देखा गया है कि यह वेरिएंट पिछले वेरिएंट के खिलाफ बनी इम्यूनिटी को चकमा देकर वैक्सीन लगवा चुके लोगों को शिकार बना सकता है। लेकिन इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यह ओमिक्रोन के पिछले वेरिएंट से ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है।

लापरवाही बरतने की गलती ना करें: बेशक कोविड के नये वेरिएंट की गंभीरता कम हो, लेकिन संक्रमित व्यक्तियों की तादाद बढ़ने से हेल्थकेयर सिस्टम पर बोझ पड़ सकता है। खासकर जो लोग पहले से किसी क्रोनिक बीमारी या कमजोर इम्यूनिटी से जूझ रहे हैं, उनके लिए स्थिति खराब हो सकती है। साथ ही संक्रमण की बार-बार लहर आने से आम जन जीवन प्रभावित हो सकता है।

कैसे करें BA.3.2 से बचाव?: नये वेरिएंट आने या उनमें म्यूटेशन होने के बावजूद बचाव के तरीके पहले जैसे ही हैं। सबसे मजबूत और पहली डिफेंस लाइन आपकी वैक्सीनेशन है। पुरानी वैक्सीनेशन ही इस नये वेरिएंट के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा प्रदान कर रही है। हाई रिस्क ग्रुप के लोगों में बूस्टर डोज की आवश्यक हो सकती है, ताकि गंभीर बीमारी या अस्पताल में भर्ती होने की नौबत ना आ सके। इसके साथ भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना, हाथों की सफाई का ध्यान रखना और संक्रमित मरीजों से थोड़ी दूर बनाकर रखना जैसी आसान एहतियात भी बरतें।

सुविचार

पता नहीं लोग इतनी
चालाकियां क्यों करते हैं।
साथ में रहते भी हैं और जलते
भी हैं। रिश्ता भी रखते हैं,
दुश्मनी भी निभाते हैं। तारीफ
भी करते हैं, और पीठ पीछे
बुराइयां भी करते हैं।

-अज्ञात

निशाना

अपना दम्भ उतारें यार..!

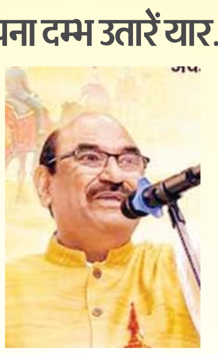

चौ. मदन मोहन समर

किसको-किसको मारें यार।
थोड़ा बैठ विचारें यार।
हम भी एक परिंदे हैं,
इतना तो स्वीकारें यार।
दो मीठी सी बातें करके
अपना दंभ उतारें यार।
ताल ठोकने वाले हम,
आज स्वयं से हारें यार।
एक-एक कर जिसे उजाड़ा,
मिलकर उसे संवारें यार।

सेफ्टी फर्स्ट

ओटीपी चुराने वालों का खेल होगा खत्म, आ रही है 'साइलेंट ऑथेंटिकेशन' की नई तकनीक

बैंक और टेलिकॉम कंपनियां मिलकर 'साइलेंट ऑथेंटिकेशन' तकनीक विकसित कर रही हैं। यह ओटीपी का विकल्प बन सकती है। इस तकनीक से बैंक पता लगा पाएंगे कि बैंकिंग लेनदेन कर रहे व्यक्ति के फोन में उसका मोबाइल नंबर एक्टिव है या नहीं। किसी तरह का शक होने पर रियल टाइम में लेनदेन को रोका जा सकेगा। इससे ओटीपी चुराकर होने वाली धोखाधड़ी पर लगाम कसने की उम्मीद है। यह भी किसी ग्राहक की पहचान को जांचने का एक तरीका है जिससे सुनिश्चित होता है कि बैंक से जुड़ा मोबाइल नंबर वही है जो उस वक्त फोन में एक्टिव है।

वेरिफिकेशन की एक्स्ट्रा लेयर: रिपोर्ट के अनुसार, 'साइलेंट ऑथेंटिकेशन' तकनीक को वेरिफिकेशन की एक्स्ट्रा लेयर कहा जा रहा है। आजकर साइबर धोखेबाज लोगों का ओटीपी चुराने के लिए सिम क्लोनिंग और eSIM स्वैपिंग को अंजाम दे रहे हैं, लेकिन 'साइलेंट ऑथेंटिकेशन' तकनीक के शुरू होने से उनकी ये कोशिशें कामयाब नहीं होंगी, क्योंकि बैंक और टेलिकॉम कंपनियों को यह मालूम चल जाएगा कि सिम कार्ड, यूजर के फोन में एक्टिव नहीं है।

कैसे काम करेगी तकनीक: एक्सिस बैंक के समीर शेट्टी के अनुसार 'टेलीकॉम कंपनियों के साथ मिलकर 'साइलेंट ऑथेंटिकेशन' के ट्रायल हो रहे हैं। इसमें ग्राहक को कुछ करने की जरूरत नहीं होगी। अगर कोई ग्राहक बैंकिंग ऐप में लॉग-इन कर रहा है, लेकिन मोबाइल नंबर, रजिस्टर्ड नंबर से मेल नहीं खाता, तो टेलीकॉम नेटवर्क से हमें जानकारी मिल जाएगी। इससे हम ग्राहक को परेशान किए बिना ही संभावित धोखाधड़ी का पता लगा पाएंगे।'

एप से OTP भेजने की योजना पर भी कामः ET की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि टेलीकॉम कंपनियां मौजूदा SMS बेस्ड OTP के बजाय अपने खुद के ऐप्स से OTP भेजने पर भी विचार कर रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि SMS बेस्ड ओटीपी में धोखाधड़ी के रास्ते सामने आ रहे हैं, लेकिन ऐप बेस्ड ओटीपी में ऐसा नहीं हो पाएगा। जानकारी के अनुसार, बैंकों ने 1 अप्रैल से 'टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन' (2FA) नियमों के तहत आधार पर बेस्ड फेस ऑथेंटिकेशन और इन-ऐप OTP जनरेशन भी शुरू कर दिया है।

क्लाउड कम्युनिकेशंस कंपनी 'सिंच' (Sinch) के मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन सिंघल के अनुसार बैंक और टेलीकॉम कंपनियां, नेटवर्क का इस्तेमाल करके यह पता लगाने जा रहे हैं कि ट्रांजैक्शन से पहले आपकी सिम और डिवाइस एक ही है या नहीं। साइबर धोखेबाजों के लिए इसका तोड़ निकाल पाना मुश्किल होगा। साइलेंट ऑथेंटिकेशन से OTP पर निर्भरता कम होगी। इससे ट्रांजेक्शन फेल होने के मामले कम होंगे और सुरक्षा बढ़ेगी। बैंकों के लिए यह धोखाधड़ी रोकने और नियमों के पालन में मददगार होगा, जबकि ब्रांड्स को बेहतर ट्रांजेक्शन रेट और ग्राहकों का भरोसा मिलेगा।

अजब - गजब

पत्थरों का समूह बन गई बारात की अनोखी कहानी! कोरबा के एक गाँव में आज भी जिंदा है रहस्य

कोरबा जिले के एक गांव में स्थित एक रहस्यमयी स्थान आज भी लोगों की आस्था और परंपरा का केंद्र बना हुआ है। गांव के प्रवेश द्वार के पास कतारबद्ध रखे पत्थरों को यहां के लोग दूल्हा-दुल्हन और बारातियों के रूप में पूजते हैं। मुख्य पत्थरों को दूल्हा-दुल्हन का प्रतीक माना जाता है, जबकि आसपास मौजूद अन्य पत्थरों को बारातियों की संज्ञा दी गई है। ग्रामीणों के बीच यह मान्यता प्रचलित है कि ये पत्थर कभी जीवित इंसान थे, जो एक अनहोनी के कारण पत्थर में तब्दील हो गए।

स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्षों पहले एक बारात इस मार्ग से गुजर रही थी। रात होने पर बारात ने इसी स्थान को विश्राम के लिए चुना और वहीं रुककर भोजन किया। लेकिन सुबह होते ही, जैसे ही सूर्य की पहली किरण उन पर पड़ी, दूल्हा-दुल्हन सहित पूरी बारात पत्थर की मूर्तियों में बदल गई। ग्रामीणों का मानना है कि यह सब किसी भूल या परंपरा के उल्लंघन के कारण हुआ।

गांव के लोग बताते हैं कि यह कहानी पीढ़ियों से सुनाई जाती रही है और लोग इसे आज भी सच मानते हैं। गांव में हर शादी से पहले इन पत्थरों की विधिवत पूजा की जाती है। किसी भी बारात के गुजरने से पहले यहां नारियल चढ़ाना अनिवार्य माना जाता है। इतना ही नहीं, आज भी इस मान्यता के चलते गांव में बेटियों की विदाई सूर्योदय से पहले ही कर दी जाती है, ताकि कोई अनहोनी न हो।

हर शादी की शुरुआत इसी स्थान पर पूजा से: गांव के बैगा यानी की पुजारी टिकैत राम बताते हैं कि उन्होंने बचपन से ही इस परंपरा को चलते देखा है। उनके अनुसार, हर शादी की शुरुआत इसी स्थान पर पूजा-अर्चना से होती है। ग्रामीण इस बात का विशेष ध्यान रखते हैं कि सुबह होने से पहले ही विवाह संबंधी सभी रस्में पूरी कर ली जाएं। टिकैत राम का यह भी दावा है कि इन पत्थरों की ऊंचाई समय के साथ धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। यदि कोई व्यक्ति इन पर सिंदूर का निशान लगाकर अगले वर्ष देखे, तो ऊंचाई में अंतर स्पष्ट दिखाई देता है।

हालांकि, इस कथा के पीछे का वास्तविक सच क्या है, इसकी कोई ठोस जानकारी किसी के पास नहीं है। इसके बावजूद, गांव के लोग इस परंपरा और मान्यता को पूरी श्रद्धा के साथ निभा रहे हैं। आधुनिक समय में भी ग्रामीण किसी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहते और सदियों पुरानी इस मान्यता को आज भी जीवित रखे हुए हैं।

भोंडल गांव का मामला: पुलिस टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर सात आरोपियों को किया गिरफ्तार

लड़की भगाने के शक पर घर में घुसकर मारपीट, युवक के पिता का अपहरण

धार। दोपहर मेट्रो

धामनोद के मामला भोंडल गांव में लड़की भगाने के शक में आरोपियों ने न केवल घर में घुसकर मारपीट की, बल्कि परिवार के मुखिया का अपहरण भी कर लिया। हालांकि, पुलिस की सक्रियता से सभी आरोपी गिरफ्तार हो गए। जानकारी के अनुसार फरियादी सुमेर (22) पिता देवीलाल ने पुलिस को बताया कि घटना 24 मार्च की रात करीब 8 बजे की है। सुमेर अपने माता-पिता और पत्नी के साथ घर पर था, तभी पुनिया, बन्टी, आकाश, अनिल, सातम और उनके अन्य साथी बोलेरो व मोटरसाइकिलों से वहां पहुंचे। आरोपियों ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। उनका आरोप था कि सुमेर का भाई लखन उनकी बेटी नंदू को भगाकर ले गया है। परिजनों ने जब इस बात से इनकार किया तो आरोपी हिंसक हो गए। सातम ने बेल्ट और बन्टी ने लाठी से सुमेर और उसके परिवार पर हमला कर दिया। इसके बाद दबंगों ने जबरन सुमरे के पिता देवीलाल को बोलेरो में डाला और मौके से फरार हो गए।

गलतफहमी के कारण हुई वारदात

अपहरण की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे के निर्देशन में उप निरीक्षक राहुल चौहान ने तुरंत टीम गठित की। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए मात्र 2 घंटे के भीतर देवीलाल को आरोपियों के चंगुल से छुड़ा लिया। शुरुआती कार्रवाई के दौरान कुछ आरोपी भागने में सफल हो गए थे, जिन्हें भी पुलिस टीमों ने सर्च कर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर मामले में शामिल सभी सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यह पूरी वारदात सिर्फ एक गलतफहमी के कारण हुई थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपहरण, मारपीट और घर में घुसकर हमला करने की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। उक्त कार्रवाई में उप निरीक्षक विजय वास्कले, प्रधान आरक्षक धीरज सिंह जादौन, श्रीराम पंवार, आरक्षक मनीष राठौर, रवि सोलंकी, योगेश निगवाल, रवि खन्ना और सुखलाल की मुख्य भूमिका रही।

नर्मदापुरम हाईवे पर हुआ हादसा

तेज रफ्तार कार ट्रक से टकराई 2 की मौके पर मौत, 1 घायल

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नेशनल हाईवे-46 पर निटाया क्षेत्र में आज तड़के करीब 4 बजे एक दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना हो गई। नागपुर से शाजापुर के बेरछा गांव जा रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से जा टकराई। जोरदार टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए।कार में सवार 3 लोगों में से 2 की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक हैं- विशाल बाड़कुरे (हिंगनघाट, नागपुर) और ज्ञान सिंह मासोध (बैतूल)। वे ज्ञान सिंह की बहन के घर जा रहे थे। तीसरे यात्री रूपेश गहलोत गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका नर्मदापुरम सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।घटना की सूचना मिलते ही इटारसी से 108 एम्बुलेंस टीम तुरंत पहुंची। ईएमटी विसराम अहिरवार ने मौके पर प्राथमिक उपचार दिया, जबकि पायलट प्रशांत ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार और अंधेरा हादसे का मुख्य कारण लगता है। पुलिस ने ड्राइवर की लापरवाही की आशंका जताई है।

उज्जैन से दर्शन कर वापस जा रहे यूपी के अग्रवाल परिवार की गुना में पलटी कार

बच्ची को हाथों में लेकर इलाज के लिए दौड़े हादसे में महिला श्रद्धालु की मौत, 5 घायल

गुना। दोपहर मेट्रो

श्रद्धालुओं के साथ भीषण हादसा हुआ है। इस दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई जबकि 5 घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि यूपी का एक परिवार महाकाल के दर्शन कर लौट रहा था तभी रास्ते में हादसे का शिकार हो गया। उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें परिवार फंस गया। प्रदेश के गुना में यह हादसा हुआ। अस्पताल में एक शख्स मासूम बच्ची को हाथों में लेकर इलाज के लिए दौड़ते नजर आए। श्रद्धालुओं के साथ यह हादसा गुना बायपास पर हुआ। एक्सीडेंट होते ही रोड से आ जा रहे लोगों ने प्रभावितों की मदद की। पुलिस को भी सूचना दी। कार में फंसे घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया। बताया जा रहा है कि यूपी के अग्रवाल परिवार के सदस्य उज्जैन से दर्शन कर वापस जा रहे थे। गुना बायपास पर उनकी गाडी पलट गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि 5 अन्य घायल हो गए। उन्हें तुरंत गुना जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। सभी घायलों का इलाज जारी है।

पूजा करने बाहर गए थे बेटा-बहू, घर पर बुजुर्ग दंपति की अलग-अलग कमरों में मिली लाश

गुना। धाकड़ कॉलोनी में उस वक्त सनसनी मच गई जब एक घर में दो बुजुर्ग दंपति की लाश मिली। धाकड़ कशव उनके ही घर के अलग-अलग कमरों में संदिग्ध परिस्थितियों में मिले हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पति का शव फंदे पर लटका मिला, जबकि पत्नी की लाश दूसरे कमरे में पलंग पर पड़ी पाई गई। आशंका जताई जा रही है कि दोनों ने आत्मघाती कदम उठाते हुए जीवन लीला समाप्त कर ली है। मृतकों की पहचान 70 वर्षीय दिलीप कुमार गोयल और उनकी 65 वर्षीय पत्नी किरण गोयल के रूप में हुई है। पुलिस को जांच में घर में एक और रस्सी और एक भूरे रंग की डिब्बी भी मिली है।

जानकारी के अनुसार, मृतक दंपति का बेटा-बहू एवं बच्चे बाहर देवताओं को पूजने गए थे। गुरुवार शाम तक पड़ोसियों की उनसे बात हुई थी। इस दौरान रात को बेटे ने फोन लगाया तो उन्होंने उठाया नहीं। सुबह बेटे ने फिर एक बार अपने माता-पिता को फोन लगाया लेकिन उन्होंने तब भी फ़ोन नहीं उठाया। कई बार कॉल नहीं होने के बाद बेटे ने अपने पड़ोसी पवन जैन को फोन किया।

बेटे ने पड़ोसी जैन को घर जाकर माता-पिता को देखने के लिए भेजा। पड़ोसी जैसे ही घर के भीतर पहुंचा तो दंग रह गया। उसने देखा कि दिलीप एक कमरे में फांसी के फंदे पर लटके थे और दूसरे रूम में किरण बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़ी थी। इसकी सूचना तत्काल सिटी कोतवाली पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही बेटा भी तत्काल परिवार के साथ गुना पहुंचे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस ने आशंका जताई है कि पति ने फांसी लगाकर और पत्नी ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने बताया कि घर में एक और रस्सी जमीन पर पड़ी मिली। इसके अलावा एक भूरे रंग की डिब्बी, जो संभवतः जहरीला पदार्थ है। वह घर में पड़ा मिला।

नरवाई की आग से तबाही- खरगावली ढाना में घर जला, विधायक ने दिया हर संभव मदद का भरोसा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र के माखन नगर अंतर्गत खरगावली ढाना गांव में खेतों में लगी नरवाई की भीषण आग ने कई परिवारों की जिंदगी उजाड़ दी। आग की लपटें इतनी तेज रफ्तार से फैलीं कि मकान, पालतू पशु, भूसा और अनाज सब जलकर राख हो गए। अब प्रभावित परिवार खुले आसमान तले सिर छिपाने को मजबूर हैं, आंखों में आंसू और भविष्य की चिंता साफ झलक रही है।घटना की खबर लगते ही सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह मौके पर पहुंचे। उनके साथ तहसीलदार, पटवारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। विधायक ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी परेशानियां सुनीं और स्थिति का जायजा लिया।ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए विधायक श्री सिंह ने कहा, ÷इस मुश्किल घड़ी में आप अकेले नहीं हैं। शासन की ओर से हर तरह की सहायता दी जाएगी।÷ उन्होंने नुकसान का आकलन कर शीघ्र राहत पहुंचाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।यह घटना न केवल परिवारों के लिए दुखदायी है, बल्कि विधायक की तत्परता से राहत की उम्मीद भी जगी है। ग्रामीण अब जल्दी सहायता का इंतजार कर रहे हैं ताकि उजड़े घर फिर बस सकें।

दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर... भजन से गूंजा चक हनुमान मंदिर, झूमे भक्त

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

चक स्वरूप नगर स्थित श्री बालाजी हनुमान मंदिर में हनुमान जी का प्रकटोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। दो दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत संगीतमय अखंड रामायण पाठ से हुई। इसके पश्चात सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा एवं रामायण की चौपाइयों के पाठ के साथ विधिवत हवन-पूजन एवं पूर्णाहुति संपन्न हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुए धार्मिक अनुष्ठानों ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति कराई। रात्रि में वार्ड क्रमांक 13 चक स्वरूप नगर स्थित गंगा गार्डन परिसर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया, जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। इसमें सुठालिया

और गंजबासौदा के भजन गायकों ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को देर रात तक बांधे रखा। भजन गायिका रिया मालवीय ने जय हनुमान ज्ञान गुण सागर, तेरे चरणों में लगे मेरा ये जीवन सारा... भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वहीं नगर की मिली कुशवाह ने राम नाम का प्याला पिला दे हनुमाना... भक्ति की राह दिखा दे हनुमाना... भजन प्रस्तुत कर खूब सराहना प्राप्त की। अनिल झा ने संकट मोचन नाम तिहारो, जो कोई सुमिरे कष्ट निवारो भजन गाकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके साथ ही खाटू श्याम एवं राधा-कृष्ण के भजनों की प्रस्तुतियों ने भी वातावरण को भक्तिमय बनाए रखा। भोपाल के रफ्तार म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने अपनी मधुर संगीत प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। सभी कलाकारों का सम्मान मंदिर के पुजारी मनोज शर्मा, सोनू मित्तल एवं दीपक शर्मा (दीपू) द्वारा किया गया। प्रकटोत्सव के अवसर पर भव्य ध्वज शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गाजे-बाजे, बैंड और जयकारों के साथ निकली इस शोभायात्रा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।

सांसद नारोलिया ने केंद्रीय मंत्रियों से मिलकर रखी नर्मदापुरम की मांगें

नर्मदापुरम। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने संसद सत्र के दौरान दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से भेंट कर नर्मदापुरम संभाग के सड़क, रेल और औद्योगिक विकास पर जोर दिया। उन्होंने मध्य प्रदेश की जन-आकांक्षाओं को प्रमुखता से रखा।केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात में नारोलिया ने नर्मदापुरम-टिमरनी-हरदा-खंडवा मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा देने और उसके सुदृढ़ीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे अंतर-राज्यीय व्यापार और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।रेल मंत्री से बातचीत में उन्होंने क्षेत्रीय स्टेशनों पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव और इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण के सुझाव दिए, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ मिलें।केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी से चर्चा में नर्मदापुरम में भारी उद्योगों और इस्पात निवेश की रूपरेखा पेश की गई, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।मंत्रियों ने विकास योजनाओं के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। नारोलिया ने कहा, नर्मदापुरम का कायाकल्प सुनिश्चित करेंगे।

मेट्रो एंकर सात दिवसीय संस्कृत प्रबोधन वर्ग की तैयारियों को लेकर बैठक

विभिन्न दायित्वों का निर्धारण कर दिया व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

संस्कृत भारती के तत्वावधान में आयोजित होने वाले सात दिवसीय आवासीय संस्कृत प्रबोधन वर्ग की तैयारियों को लेकर जनपद पंचायत कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा करते हुए विभिन्न दायित्वों का निर्धारण किया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रो डॉ बालकृष्ण प्रजापति ने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है तथा इसी भाषा में वेद, शास्त्र और पुराण जैसे महान ग्रंथों की रचना हुई है, जिनमें भारतीय संस्कृति और आदर्श जीवन मूल्यों का वर्णन मिलता है। यशवंत दुबे ने कहा कि संस्कृत वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को मजबूत करती है और विश्व बंधुत्व का संदेश देती है। विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि संस्कृत केवल धार्मिक या आध्यात्मिक

भाषा ही नहीं है, बल्कि यह समाज को श्रेष्ठ जीवन मूल्यों और आदर्शों की दिशा भी प्रदान करती है। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रबोधन वर्ग की जानकारी समाज के सभी वर्गों एवं आयु समूहों तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें सहभागिता कर सकें।

इस अवसर पर विनोद कुमार शर्मा, सौरभ सुहाने, भूपेंद्र सेन, अभिलाषा चतुर्वेदी, मोहित शर्मा, संगीता राजपूत, शगुन अग्रवाल, अनिल चतुर्वेदी, विमलेश लोधी, भूपेंद्र रघुवंशी, विपिन शर्मा, घनश्याम कोरी, रजनी भदौरिया, माधवी भाटिया, चंद्रेश तिवारी, सुनील कुशवाह, वेद प्रकाश खरे, प्रशांत सेन, सौरभ सेन, सोहित व्यास, नैनसी तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जून माह में टाइगर रिजर्व आएंगे चीते अभी भी कई गांवों का नहीं हो पाया है विस्थापन

टाइगर रिजर्व में आने को तैयार चीते, लेकिन अधूरी विस्थापन की प्रक्रिया

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व में चीतों को बसाने की तैयारी तेज हो गई है। अपने जन्मदिन के दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चीतों को बसाने के लिए बनाए जा रहे बाड़े का भूमि पूजन किया था। इसके बाद बाड़े के निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जुलाई माह में नौरादही टाइगर रिजर्व में चीते छोड़े जाएंगे, लेकिन बड़ा सवाल ये है कि क्या नौरादेही टाइगर रिजर्व चीतों को बसाने के लिहाज से पूरी तरह महफूज है क्योंकि नौरादेही टाइगर रिजर्व में विस्थापन की प्रक्रिया अभी भी अधूरी है। हालांकि नौरादेही टाइगर रिजर्व प्रबंधन का कहना है कि विस्थापन प्रक्रिया के लंबित होने से चीतों की सुरक्षा या मानव द्वंद्व की स्थिति बनने की संभावना नहीं है। जहां तक विस्थापन की बात है, तो प्रक्रिया नियमानुसार चल रही है और उसमें समय लगता है। जहां तक नौरादेही टाइगर रिजर्व में मौजूद गांव के विस्थापन की बात करें तो विस्थापन 2014 में शुरू हो गई थी, लेकिन अभी तक पूरी नहीं हो पाई है. नौरादेही टाइगर रिजर्व दमोह सागर और नरसिंहपुर जिले तक फैला हुआ है। टाइगर रिजर्व के अंदर 93 गांव मौजूद हैं, जिनको विस्थापित किया जाना है। हालांकि वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत इन गांवों को जबरन स्थापित नहीं किया जा सकता है ऐसे में विस्थापन की प्रक्रिया काफी धीमी गति से चलती है। अभी तक 93 गांव में से सिर्फ 43 गांव पूरी तरह विस्थापित हो पाए हैं। 50 गांव के विस्थापन की प्रक्रिया पूरी हो गई है, लेकिन अभी यह गांव खाली नहीं हुए हैं और 43 गांव की विस्थापन की प्रक्रिया प्रचलन में है।

चीता प्रोजेक्ट के विशेषज्ञों ने भी की थी सिफारिश

चीता प्रोजेक्ट के विशेषज्ञों ने जब अप्रैल 2025 में नौरादेही टाइगर रिजर्व में चीतों को बसाए जाने की संभावना का अध्ययन किया था, तो उन्होंने कुछ सिफारिश की थी। जिनमें विस्थापन की प्रक्रिया जल्दी से जल्दी निपटने की बात कही गई थी। वहीं चीतों की बसाहट के आसपास इंसानी दखल कम से कम हो, इसके लिए पूरे इंतजाम करने के लिए कहा था।

विस्थापन ना होने के खतरे

जब नौरादेही टाइगर रिजर्व चीतों के तीसरे घर के रूप में स्थापित किया जा रहा है, तब विस्थापन प्रक्रिया पूरी न होने की स्थिति में कई तरह के खतरों की आशंका लगाई जा रही है। माना जा रहा है कि चीतों को बसाने वाली जगह पर अगर इंसानी दखल रहा, तो चीतों के रहवास और नौरादेही के माहौल में अनुकूल होने की कोशिश प्रभावित भी हो सकती है। वहीं अगर इंसान जंगल के भीतर ही रहता है, तो चीता उन पर हमला कर सकता है चीतों और इंसानों के बीच द्वंद्व की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा वन अपराध को अंजाम देने वाले शिकारी और तस्कर चीतों के लिए खतरनाक हो सकते हैं. क्योंकि इंसानी दखल रहा तो अपराधियों की पहचान मुश्किल होगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के लिए निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने स्थल निरीक्षण कर सफाई व्यवस्थाओं का लिया जायजा

'कचरा खुद बोलेगा मैं किस का हूं' अभियान के तहत 5 दुकानदारों पर 5 हजार का जुर्माना ठोका

सागर। दोपहर मेट्रो

स्वच्छ भारत मिशन के तहत राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में सागर शहर को प्रथम स्थान पर लाने के लिए निगम प्रशासन लगातार सक्रिय है. शुक्रवार को निगमायुक्त राजकुमार खत्री निगम अमले के साथ शहर की सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने सिविल लाइन, पीलीकोठी, दीनदयाल चौक, बस स्टैंड, तीन मढ़िया, परकोटा तीनबत्ती होते हुए राधा तिराहा से भगवानगंज और खुरई रोड का निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाले निगमकर्मियों पर कार्यवाई के निर्देश दिये साथ ही सड़क किनारे या नालों में पड़े कचरे से कचरा फेंकने वालों की पहचान कराकर जुर्माने कराएं। निगमायुक्त ने नवाचार कचरा खुद बोलेगा मैं किसका हूँ अभियान के तहत स्वयं खड़े होकर कचरा फेकने वालों की पहचान कराई और उक्त लापरवाही बरतने वाले दुकान प्रतिष्ठान संचालकों पर एक-एक हजार रूपये का जुर्माना कर चालान कटवाया। कटरा तीन बत्ती पर आनी मेडिको तीनबत्ती, दीपचंद एंड संस मेडिकल कटरा, पारस फर्नीचर, साहूजी साईकिल सुभाष नगर सहित 5 दुकान संचालकों द्वारा कचरा सड़क और नाले में फेके जाने पर कचरे से पहचान की गई और 5 हजार रूपये के जुर्माने किये गये। जुर्माने के साथ ही उक्त दुकान संचालकों से कचरा साफ कराया गया व आगे से इस प्रकार स्वच्छता के विरुद्ध व्यवहार न करने की हिदायत दी गई।

निगमायुक्त ने कहा की आज का सागर स्वच्छता की दृष्टि से नवजागृति का सागर है। लोगों के स्वभाव में स्वच्छता को लेकर एक बड़ा बदलाव शहर में देखने मिल रहा है। आज हर कहीं दुकानों पर पहुंचने वाला प्रत्येक जन खाली रेपर, पेकिंग मटेरियल या अन्य कचरा फेकने के लिए डस्टबिन ढूढ़ता है जब उसे कहीं डस्टबिन नहीं मिलता तब वह यहां वहां कोने कतरे में कचरा डाल देता है। सभी दुकानदार अपने ग्राहकों को जागरूक करें कूड़ा डस्टबिन में ही डालने हेतु प्रेरित करें। दुकान पर आवश्यक रूप से ऐसे स्टिकर या प्रिंट चिपकायें जो की कूड़ा डस्टबिन में डालने का संदेश देते हों। प्रत्येक दुकानदार का यह नैतिक दायित्व है की अपनी दुकान प्रतिष्ठान या संस्थान में डस्टबिन ऐसी जगह रखें जहां वह हर आने-जाने वाले को आसानी से दिखे और उपयोग हेतु उपलब्ध हो। दुकानदार डस्टबिन में एकत्र कूड़ा डोर टू डोर कचरा कलेक्शन वाहनों में ही डालें। यदि आपकी दुकान से कचरा लेने हेतु डोर टू डोर कचरा वाहन न आता हो तो निगम प्रबंधन को सूचित करें और बेहतर कूड़ा प्रबंधन में अपना महत्वपूर्ण सहयोग दें।

पिछले वर्ष 10वीं राष्ट्रीय रैंकिंग हासिल की थी

विगत वर्ष सागर शहर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 73 वे पायदान से ऊपर उठकर 10वीं राष्ट्रीय रैंकिंग हासिल की थी। इसी क्रम को जारी रखते हुए स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में सागर को प्रथम स्थान हासिल कराने के लिए स्वच्छता व सुंदरता के लगातार वृहद प्रयास किये जा रहे हैं। नगर निगम प्रशासन द्वारा प्रतिस्पर्धा के सभी पहलुओं पर सजगता के साथ कार्य किये जा रहे हैं। ऐसे में अपने शहर को स्वच्छता में सिरमौर बनाने के लिए सभी रहवासियों की सकारात्मक सक्रीय सहभागिता अपेक्षित है।

किसान परिवार का आरोप

अखिलेश चौधरी ने प्लॉट पर कब्जा किया, जान से मारने की दे रहा है धमकी

धार। दोपहर मेट्रो

शहर की क्वींस पार्क कॉलोनी निवासी किसान विनोद चौहान और उनके परिवार ने अखिलेश चौधरी पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए है, शुक्रवार को एक निजी होटल में प्रेसवार्ता में विनोद चौहान ने बताया कि अखिलेश चौधरी उनके प्लॉट पर अवैध कब्जा कर कर जान से मारने की धमकी दे रहा है, जब अखिलेश चौधरी से उक्त मामले में चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि मामला सिविल कोर्ट में जिसकी आने वाली 10 अप्रैल को सुनवाई है, आरोप बेबुनियाद है। विनोद चौहान ने बताया कि सुंदर वन कॉलोनी स्थित प्लॉट नंबर-9, जो उनकी पत्नी शीतल चौहान के नाम पर पंजीकृत है, उस पर अखिलेश चौधरी अवैध रूप से कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। 27 फरवरी को जब हम मौके पर पहुंचे, तो अखिलेश वहां लोहे के एंगल लगा रहा था। विरोध करने पर उसने मुझे और मेरी पत्नी को लोहे की टामी से बुरी तरह पीटा और जान से मारने की धमकी दी थी, घटना के बाद कोतवाली थाने में प्रकरण दर्ज कराया गया, लेकिन कार्रवाई के बावजूद अखिलेश वर्तमान में उसने प्लॉट पर ईंटें और टैंकर खड़े कर दिए हैं। प्रेस वार्ता के दौरान विनोद चौहान ने अखिलेश चौधरी पर आरोप लगाते हुए बताया कि अखिलेश के विरुद्ध कोतवाली और नौगांव थाने में 25 से 30 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह नौगांव थाने का सूचीबद्ध गुंडा रह चुका है। उस पर पूर्व में जिलाबदर और रासुका जैसी सख्त कार्रवाई भी हो चुकी है। बावजूद इसके, वह खुद को प्रशासन से ऊपर बताते हुए खुलेआम घूम रहा है और पीड़ित परिवार को डरा-धमका रहा है। विनोद चौहान ने कहा कि अखिलेश के खौफ के कारण उनके बच्चे स्कूल जाने से डर रहे हैं और पूरे परिवार में डर का माहौल है । उन्होंने धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी से अपील की है कि प्रशासन त्वरित कार्रवाई करें और मेरी बरसों की जमा पूंजी का प्लॉट को इस भूमाफिया से बचाया जाए। जब मामले में अखिलेश चौधरी से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि उक्त मामला सिविल कोर्ट में है दो तारीखें भी मामले में लग चुकी है, आने वाली 10 तारीख को भी कोर्ट में सुनवाई होना है, विनोद चौहान पूर्व में उनके साथ ही काम करता था, आपसी परिवारिक संबंध थे, विनोद पर भरोसा कर रजिस्ट्री कराई थी, बाद में विनोद बदल गया और आरो लगाने लगा।

धार कृषि उपज मंडी में नीलामी नहीं होने से नाराज किसानों ने छत्री चौराहे पर दिया धरना

किसान बोले - मैसेज भेजकर छुट्टी वाले दिन भी बुलाकर नही शुरु की नीलामी

धार। दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी में अपनी उपज लेकर पहुंचे सैकड़ों किसानों को बैरंग लौटना पड़ा। नीलामी शुरू नहीं होने से नाराज किसानों ने मंडी प्रशासन के खिलाफ छत्री चौराहे पर धरना दे दिया जिससे चक्काजाम हो गया। दरअसल बीते दिनों हुई बेमौसम बारिश और आने वाली लगातार छुट्टियों को देखते हुए मंडी प्रशासन ने व्यापारी, हम्माल और तुलावटियों के साथ एक बैठक की थी। इस बैठक में सहमति बनी थी कि 3 अप्रैल गुड फ्राइडे को सरकारी छुट्टी होने के बावजूद मंडी में नीलामी कार्य चालू रखा जाएगा। मंडी प्रशासन ने बकायदा किसानों को मोबाइल पर मैसेज भेजकर अपनी उपज लाने के लिए कहा गया था।

मैसेज मिलने के बाद सुबह बड़ी तादाद में किसान उपज लेकर मंडी प्रांगण पहुंचे लेकिन खरीदी करने वाले व्यापारियों और हम्मालों ने काम करने से इनकार कर दिया। दोपहर तक किसान इंतजार करते रहे, लेकिन जब नीलामी शुरू नहीं हुई तो उन्होंने नाराज होकर धरना दे दिया। धरने की सूचना पर कोतवाली थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान भी मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाईश दी, लेकिन किसान नीलामी शुरु करने की मांग पर अड़े रहे। किसानों का आरोप है कि मंडी सचिव से बात करने पर उन्होंने व्यापारियों को मनाने की कोशिश तो की, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकला। दोपहर तक कई व्यापारी मंडी से जा चुके थे। किसानों ने कहा व्यापारियों के बीच नीलामी होती भी है, तो बोली कम होने के कारण उन्हें अपनी उपज के सही दाम नहीं मिलेंगे और उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से मौसम के मिजाज बिगड़े हुए हैं। खुले में रखी फसल खराब होने की आशंका के चलते किसान जल्द से जल्द अपनी उपज बेचना चाहते हैं।

ग्राम जरूआ का मामला: सर्पदंश से पीड़ित बालिका को कराया भर्ती, अब खतरे से बाहर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर से लगभग 15 किलोमीटर दूर जनपद पंचायत के वनांचल क्षेत्र में स्थित ग्राम पंचायत इमलीडोल एवं आसपास के ग्राम आज भी विकास की मुख्यधारा से काफी दूर हैं। अंधविश्वास एवं झाड़-फूंक जैसी परंपराओं पर अत्यधिक भरोसा होने के कारण कई बार गंभीर बीमारियों एवं आपात स्थितियों में समय पर उचित उपचार नहीं मिल पाता, जिससे जनहानि तक हो जाती है। ऐसा ही एक मामला गुरुवार को सामने आया था जिसमें

पिछले चार वर्षों में जरूआ ग्राम में लगभग पांच लोगों को सर्पदंश की घटनाओं का सामना करना पड़ा, जिनमें से दो लोगों की मृत्यु केवल झाड़-फूंक के भरोसे रहने के कारण हो गई, जबकि अन्य दो लोगों की जान संयोगवश बच पाई। इसी क्रम में गुरुवार को एक गंभीर घटना सामने आई। ग्राम जरूआ निवासी 12 वर्षीय बालिका रवीना यादव, पिता हल्ले यादव, शाम लगभग 7:30 बजे अपने घर के आंगन की पट्टी में बैठी हुई थी, तभी एक जहरीले गडेता सांप ने उसके हाथ में डस लिया। सर्पदंश के बाद बालिका जोर से चिल्लाई जिससे तत्काल परिजनों पहुंचे , जिन्होंने सांप को वहां से भागते हुए भी देखा। प्रारंभ में परिजन झाड़-फूंक कराने की तैयारी कर रहे थे, साथ ही बालिका के पिता हल्ले यादव ने ग्रामीण विकास समिति के कार्यकर्ता धर्मदास पाल को इसकी जानकारी मोबाइल पर दी श्री पाल ने तत्काल चिकित्सकीय उपचार के लिए प्रेरित किया। पहले तो परिवार वाले नहीं माने लेकिन बाद में समझाइश के बाद परिजन बालिका को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा लेकर पहुंचे, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉ. प्रियांशु साहू द्वारा उसे एंटी-स्नेक वेनम इंजेक्शन दिया गया। लेकिन बालिका की गंभीर स्थिति को देखते हुए 108 एम्बुलेंस की सहायता से उसे तुरंत जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। रात लगभग 10 बजे मेडिकल कॉलेज पहुंचने के बाद बालिका का उपचार प्रारंभ किया गया। करीब दो घंटे के उपचार के पश्चात उसकी स्थिति में सुधार दर्ज किया गया। जबलपुर मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर ने हालांकि 72 घंटे तक बालिका को मेडिकल कॉलेज में ही उपचार करने की निर्देश दिए हैं।

मेट्रो एंकर

भालूमाड़ा में विवादित कार्रवाई: पुलिस पर एकतरफा जांच के आरोप, फुटेज पर उठे सवाल

ठेकेदार, पुलिस और आबकारी विभाग की भूमिका पर संदेह, जांच की मांग

भालूमाड़ा/अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

भालूमाड़ा क्षेत्र में हाल ही में हुई एक घटना को लेकर स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों के बीच गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। आरोप है कि पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई एकतरफा रही, जबकि मामले के कई अहम पहलुओं की अनदेखी की गई है।

घटना से जुड़े लोगों का कहना है कि मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज केवल बाहर की ही सामने लाई गई, जबकि अंदर की रिकॉर्डिंग को सार्वजनिक नहीं किया गया। इससे यह संदेह और गहरा हो रहा है कि कहीं सच्चाई को छुपाने की कोशिश तो नहीं की जा रही। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि पूरी घटना की निष्पक्ष जांच करनी है, तो अंदर और बाहर दोनों जगह के सीसीटीवी फुटेज को सार्वजनिक करना जरूरी है। साथ ही यह भी बड़ा सवाल है कि ठेकेदार के शटर और बैरक में लगा चैनल आखिर कैसे खुला। क्या इसमें अंदरूनी मिलीभगत थी या सुरक्षा में चूक हुई—यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

कर्मचारियों पर भी लगे आरोप

मामले में एक और गंभीर आरोप यह है कि ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा पहले युवकों के साथ गाली-गलौज की गई, जिससे विवाद बढ़ा। यदि यह तथ्य सही है, तो यह पूरे घटनाक्रम को एक अलग दिशा देता है और पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े करता है।

विभाग की भूमिका संदिग्ध?

घटना के बाद जिस तरह से कार्रवाई की गई, उसे लेकर लोगों के बीच यह चर्चा तेज है कि कहीं पुलिस और आबकारी विभाग ने ठेकेदार के पक्ष में झुकाव तो नहीं दिखाया। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी तक किसी भी विभाग की ओर से इस पर स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है।

निष्पक्ष जांच की मांग

स्थानीय लोगों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक सभी तथ्यों—सीसीटीवी फुटेज, मौके की परिस्थितियां, और दोनों पक्षों के बयान—की गहराई से जांच नहीं होगी, तब तक सच्चाई सामने आना मुश्किल है।

जबलपुर मार्ग बसों के लिए तेंदूखेड़ा बस स्टैंड पर शुरू हुआ सुधार कार्य

तेदूखेड़ा। नगर के बस स्टैंड पर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु नगर परिषद द्वारा सुधार कार्य जारी है। विशेष रूप से जबलपुर मार्ग की ओर बसों के खड़े होने के लिए आवश्यक सुविधाओं का अभाव लंबे समय से महसूस किया जा रहा था, जिसके कारण बसें मुख्य मार्ग पर ही खड़ी होती थीं। इससे यातायात बाधित होता था और यात्रियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता था। स्थानीय नागरिकों, बुकिंग एजेंट एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार मांग किए जाने के बाद नगर परिषद ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए सुधार कार्य प्रारंभ किया है। बस स्टैंड के जबलपुर दिशा वाले हिस्से में समतलीकरण, प्लेटफॉर्म निर्माण एवं आवश्यक आधारभूत सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है, ताकि बसें निर्धारित स्थान पर ही सुव्यवस्थित रूप से खड़ी हो सकें। इस सुधार कार्य के पूर्ण होने के बाद मुख्य मार्ग पर लगने वाले जाम की समस्या में कमी आएगी तथा यात्रियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

लॉरेन की सफलता का सफर नहीं रहा आसान

13 माह बाद रिंग में लौट रहीं चैम्पियन लॉरेन प्राइस, आज स्टेफनी के खिलाफ उतरेंगी

लंदन, एजेंसी

आईबीएफ और डब्ल्यूबीसी वेल्टरवेट चैम्पियन वेल्स की लॉरेन प्राइस 13 महीनों के इंतजार के बाद बॉक्सिंग रिंग में वापसी कर रही हैं। टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली लॉरेन ने पिछले साल मार्च में नताशा जोनस को हराकर अपनी बादशाहत साबित की थी। लेकिन उसके बाद से उन्हें रिंग में उतरने का मौका नहीं मिला। अब शनिवार को वे प्यूर्टो रिको की अजेय बॉक्सर स्टेफनी पिनेइरो एक्विनो के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगी। इतने लंबे समय तक रिंग से दूर रहने के पीछे के कारणों पर लॉरेन ने बॉक्सिंग के अंदरूनी खेल और राजनीति को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, बाहर के लोगों को यह आसानी से समझ नहीं आता। लेकिन अक्सर यह आपके प्रमोटर, पैसों और कॉन्ट्रैक्ट की उलझनों पर निर्भर करता है। जब आप चैम्पियन बन जाते हैं, तो सामने वाले बॉक्सर बहुत ज्यादा पैसों की मांग करते हैं, जिससे मैच तय होने में समय लगता है। लॉरेन का सफर उनके प्रमोटर बॉक्सर की वित्तीय परेशानियों और कॉन्ट्रैक्ट के मुद्दों के कारण अटका हुआ था। इस दौरान उनके ट्रेनर रॉब मैक्रैकन ने उन्हें संभाला। लॉरेन का साफ कहना है कि वह बॉक्सिंग से जितना हो सके उतना पैसा कमाना चाहती हैं और अपने देश वेल्स में खास विरासत बनाना चाहती हैं।

मैच के बाद करेंगी शादी

31 वर्षीय लॉरेन की निजी जिंदगी में भी खुशियां दस्तक देने वाली हैं। 4 अप्रैल के इस मैच के बाद, वे 30 मई को बचपन की दोस्त कार्ला से शादी करेंगी। उन्होंने पिछले साल ही सगाई की थी। कार्ला बुजुर्गों की देखभाल से जुड़ा अपना एक बिजनेस चलाती हैं और बॉक्सिंग की दुनिया से उनका कोई लेना-देना नहीं है। लॉरेन कहती हैं कि इससे उन्हें बहुत सुकून मिलता है क्योंकि घर लौटने पर हर वक्त सिर्फ बॉक्सिंग की बातें नहीं होतीं। लॉरेन की सफलता का सफर आसान नहीं रहा है। जब वह सिर्फ तीन दिन की थीं, तब शराब की लत के शिकार उनके माता-पिता ने उन्हें छोड़ दिया था। उन्हें उनके दादा-दादी ने गोद लिया। लॉरेन कहती हैं, मुझे अपने माता-पिता की याद नहीं आती। मैं बस अपने दादा-दादी की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मुझे हमेशा प्यार दिया और सिखाया कि कोई भी सपना छोटा या अजीब नहीं होता।

आईपीएल में आज गुजरात टायटंस बनाम राजस्थान रायल मुकाबला

वैभव का हल्लाबोल या गुजरात का पलटवार, कौन मचाएगा तहलका?

नई दिल्ली, एजेंसी

तेज गेंदबाजी के नाम पर अगर किसी टीम के पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे हथियार हों, तो डर अपने आप पैदा हो जाता है। लेकिन आज शाम 7.30 बजे कहानी थोड़ी अलग हो सकती हैज् क्योंकि सामने है सिर्फ 15 साल का 'बेबी बॉस'- वैभव सूर्यवंशी- राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटन्स के बीच आईपीएल मुकाबला होने वाला है।

चेन्नई के खिलाफ 15 गेंदों में फिफ्टी लगाकर सूर्यवंशी ने धमाकेदार शुरुआत की, वह अब अहमदाबाद में फिर वही अंदाज दिखाने को तैयार हैं। अगर पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रही, तो यह मुकाबला गेंदबाजों के लिए मुश्किल हो सकता है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच इन दिनों बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग बन चुकी है। यहां टीमें बिना झिझक लक्ष्य का पीछा करती हैं और बल्लेबाज खुलकर शॉट खेलते हैं। ऐसे में असली सवाल यह नहीं कि रन बनेंगे या नहीं, बल्कि यह है कि सूर्यवंशी इस हाई-स्कोर वाले मुकाबले में कितना बड़ा स्कोर कर पाएंगे। दूसरी तरफ, शुभमन गिल की कप्तानी भी निशाने पर है। पिछली हार में उनकी रणनीति सवालों में रही- सिराज को कम ओवर, प्रसिद्ध को देर से गेंद और मैच हाथ से फिसल गया। इस बार गलती की गुंजाइश नहीं होगी।

गुजरात की एक और चिंता है- टॉप-3 पर जरूरत से ज्यादा भरोसा। गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर अगर नहीं चले, तो मिडिल ऑर्डर अक्सर लड़खड़ा जाता है। राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर और शाहरुख खान अभी तक भरोसे का नाम नहीं बन पाए हैं।

गुजरात के पास पेस बॉलिंग अटैक

गुजरात टाइटंस के पास कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की तिकड़ी है। कप्तान शुभमन गिल ने पिछले मैच में 39 रन बनाए थे। वहीं टीम की बैटिंग चिंता का विषय रही है। गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन तेजी से रन नहीं बना पा रहे हैं। मिडिल ऑर्डर भी ज्यादा भरोसेमंद नहीं दिखा है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच रिपोर्ट

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच आमतौर पर बैलेंस्ड मानी जाती है। शुरुआत में तेज गेंदबाजों को स्विंग और बाउंस मिलता है, लेकिन बाद में बल्लेबाजी आसान हो जाती है। शाम के मैचों में ड्यू अहम भूमिका निभाती है, जिससे दूसरी पारी में बल्लेबाजी आसान हो जाती है। ऐसे में टॉस जीतकर टीमें चेज करना पसंद करती हैं। इस मैदान पर अब तक 44 ढ्ढक्कमैच खेले गए हैं। पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 22 और चेज करने वाली टीम ने भी 22 मैच जीते हैं। हाल के मैचों में यहां औसत स्कोर 200+ रहा है और पेसर्स को स्पिनर्स से ज्यादा सफलता मिली है। ऐसे में यह मुकाबला हाई-स्कोरिंग हो सकता है और पहली पारी में 220 रन का स्कोर सुरक्षित माना जा सकता है।

वेदर रिपोर्ट

अहमदाबाद में मैच के दिन मौसम काफी गर्म रहने वाला है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शाम के समय भी तापमान 35एष्ट के आसपास रह सकता है। बारिश की संभावना बिल्कुल भी नहीं है।

आईपीएल मैच में अंपायर से हुआ ब्लंडर

बैट टेस्ट के दौरान लगाया उल्टा गेज, खिलाड़ी-दर्शक भी हैरान

चेन्नई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के बीच शुक्रवार को हुए मुकाबले में एक ऐसा अजीबोगरीब वाकया देखने को मिला, जिसने कुछ देर के लिए खेल को रोक दिया। साथ ही खिलाड़ी, फैन्स और कमेंटेटर भी हैरान रह गए।

एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुए मैच के दौरान जब चेन्नई सुपर किंग्स के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे जब नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आए, तो सबसे पहले उनका बैट टेस्ट किया गया। लेकिन यहीं एक बड़ी गड़बड़ी हो गई। अंपायर ने बैट की मोटाई जांचने के लिए इस्तेमाल होने वाला गेज उल्टा पकड़ लिया, जिससे म्हात्रे का पहला बैट फेल हो गया।

मामला यहीं नहीं रुका, दूसरा बैट भी गेज से पास नहीं हुआ। हालांकि कुछ सेकंड बाद अंपायर को अपनी गलती का एहसास हुआ। जब उन्होंने गेज को सही तरीके से पकड़ा, तो पहला बैट आराम से पास हो गया और मैच फिर से शुरू हुआ। इस पूरे घटनाक्रम पर कमेंटेटर इयान बिशप ने तुरंत कहा, गेज उल्टा लगाया गया था। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने हैरानी जताते हुए कहा, ओ माय गॉड।

संजू सैमसन ने किया निराश

संजू सैमसन इस मुकाबले में सस्ते में आउट हो गए, जिसके बाद आयुष म्हात्रे बैटिंग के लिए उतरे। जेवियर बार्टलेट की गेंद पर इनसाइड आउट शॉट खेलने की कोशिश में संजू सैमसन विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह को कैच दे बैठे। सैमसन ने 7 गेंदों पर सिर्फ 7 रन बनाए। हालांकि आयुष म्हात्रे ने इस मुकाबले में कमाल का खेल दिखाया। आयुष ने 6 चौके और पांच छक्के की मदद से 43 गेंदों पर 73 रन बनाए। इस मजेदार घटना के बाद सोशल मीडिया पर फैन्स ने जमकर रिएक्शन दिए। कुछ फैन्स ने अंपायर की गलती को लेकर मजाक उड़ाया और इसे कॉमेडी ऑफ एरर्स बताया। बैट टेस्ट को लेकर पहले भी विवाद हो चुके हैं। मौजूदा सीजन में ही राहुल तेवतिया को बैट बदलना पड़ा था। सुनील नरेन, आंद्रे रसेल और एनरिक नॉर्किया जैसे खिलाड़ी भी इस टेस्ट में फेल हो चुके हैं।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी पारी के दम पर जीती पंजाब किंग्स, चेन्नई सुपर किंग्स को उसके घर में हराया

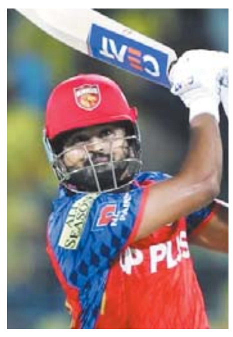

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के मैच नंबर-7 में शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स का सामना पंजाब किंग्स से हुआ। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में हुए इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने 5 विकेट से जीत हासिल की। चेन्नई सुपर किंग्स ने पंजाब किंग्स को जीत के लिए 210 रनों का टारगेट दिया था। इस टारगेट को पंजाब किंग्स ने 18।4 ओवरों में हासिल कर लिया। पंजाब किंग्स के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर ने शानदार 50 रन बनाए। मौजूदा सीजन में पंजाब किंग्स की ये लगाातार दूसरी जीत रही, वहीं सीएसके ने लगातार दूसरा मैच गंवाया है। बता दें कि चेन्नई सुपर किंग्स को अपने पहले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (ऋक्र) के हाथों 8 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

फैशन की दुनिया में नाम कमाना चाहती थीं सिमरन, एक शो ने बदली किस्मत

साउथ इंडियन सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस सिमरन ऋषि बग्गा आज भी अपनी शानदार एक्टिंग और डांस के लिए याद की जाती हैं। उन्होंने तमिल, तेलुगू, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में काम करके अपनी अलग पहचान बनाई। बहुत कम लोग जानते हैं कि सिमरन का सपना फिल्मों में आने का नहीं था। वह फैशन डिजाइनर बनना चाहती थीं, लेकिन किस्मत ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। सिमरन का असली नाम ऋषिबाला नवल है। उनका जन्म 4 अप्रैल 1976 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई भी मुंबई में ही की। सिमरन एक साधारण परिवार से थीं, लेकिन उनके अंदर कुछ अलग करने

का जुनून था। बचपन से ही उन्हें फैशन और डिजाइनिंग में दिलचस्पी थी। वह इसी क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहती थीं। लेकिन जिंदगी ने उनके लिए अलग रास्ता चुना।

उनकी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट तब आया, जब उन्होंने टीवी के म्यूजिक शो सुपहिट मुकाबला में एंकरिंग शुरू की। इसी दौरान फिल्ममेकर्स की नजर उन पर पड़ी और उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। शुरुआत में उन्होंने बॉलीवुड फिल्म तेरे मेरे सपने में काम किया, जिससे उन्हें पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने साउथ फिल्मों की ओर रुख किया और यहीं से उनका असली स्टारडम शुरू हुआ।सिमरन ने 1997 में तमिल फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और बहुत कम समय में टॉप एक्ट्रेस बन गईं। उनकी फिल्में थुल्लथा मनामुम थुल्लुम और वाली ने उन्हें जबरदस्त सफलता दिलाई। इन फिल्मों में उनकी एक्टिंग को दर्शकों और आलोचकों दोनों ने खूब सराहा।

करियर का बेहद खास साल रहा 2002

साल 2002 उनके करियर का बेहद खास साल रहा, जब उन्होंने कमल हासन के साथ पम्मल के. सांबंदम और पंचतंत्रम सुपरहिट फिल्मों में काम किया। इसी दौरान उनकी फिल्म कन्नथिल मुथामित्तल के लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। उन्होंने सिर्फ रोमांटिक रोल ही नहीं, बल्कि हर तरह के किरदार निभाकर अपनी प्रतिभा साबित की। हालांकि, शादी के बाद सिमरन ने कुछ समय के लिए फिल्मों से दूरी बना ली। उन्होंने 2003 में दीपक बग्गा से शादी की और अपने परिवार पर ध्यान देने लगीं, लेकिन उनका फिल्मों से प्यार खत्म नहीं हुआ और उन्होंने 2008 में फिल्म वारनम आयिरम से शानदार वापसी की।

मां को याद कर करिश्मा के छलके आंसू, बोलीं- मैं जो भी हूं, उनकी वजह से हूं

मुंबई। बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने 90 के दशक में लगातार कई हिट फिल्में दीं और खुद को टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल किया। कपूर खानदान से होने के बावजूद उनका सफर आसान नहीं था, उनके सामने इंडस्ट्री की चुनौतियां थीं। लेकिन मां के साथ की वजह से वह हर चुनौती को पार कर गई, और आज वह अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपनी मां बबीता को देती हैं। उन्होंने खुलकर बताया कि कैसे उनकी मां ने हर मुश्किल वक्त में उनका साथ दिया और उन्हें मजबूत बनाया। करिश्मा कपूर हाल ही में सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल के एक

खास एपिसोड में नजर आईं। इस दौरान शो के होस्ट आदित्य नारायण ने उनकी मां बबिता का जिक्र करते हुए कहा कि करिश्मा के करियर में उनका काफी सपोर्ट रहा है। उनकी मां ही असली सुपरस्टार हैं। यह सुनकर करिश्मा इमोशनल हो गईं। भावुक होते हुए करिश्मा ने कहा, मेरी मां मेरे लिए भगवान जैसी हैं। मैं जो भी हूं, मां की वजह से हूं। यूं तो परिवार के सभी लोगों ने मेरा साथ दिया, लेकिन मेरी मां ने मुझे जो आत्मविश्वास और संस्कार दिए, वही मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी ताकत बने। आज मैं जो कुछ भी हूं, उसका पूरा श्रेय मैं अपनी मां को देती हूं। करिश्मा कपूर ने इस दौरान अपनी मां के फिल्मी करियर के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया, मां ने हिंदी सिनेमा में बहुत कम समय के लिए काम किया, लेकिन उस छोटे से करियर में भी उन्होंने कई सफल फिल्में दीं। यह उनकी प्रतिभा और मेहनत का सबूत है कि कम समय में ही उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली थी

मेट्रो बाजार

भारत के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 54.91 अरब डॉलर पहुंचा, टॉप घाटे वाले देशों की सूची में शामिल

वाशिंगटन। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 12 महीनों में अमेरिका को भारत के साथ व्यापार में 54.91 अरब डॉलर का घाटा हुआ है। इस बड़े घाटे की वजह से भारत अब उन देशों में शामिल हो गया है जिनसे अमेरिका को सबसे ज्यादा व्यापारिक घाटा (नुकसान) होता है। वहीं, फरवरी के महीने में दुनिया भर के दूसरे देशों के साथ भी अमेरिका का कुल व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ा है। महीने के आंकड़ों से पता चला कि फरवरी में अमेरिका का व्यापार घाटा बढ़कर 57.35 बिलियन डॉलर हो गया, जो जनवरी से 2.67 बिलियन डॉलर ज्यादा है, हालांकि यह अभी भी 12 महीने के एवरेज से 11 फसदी कम है। यह बढ़ोतरी इसलिए हुई क्योंकि इम्पोर्ट, एक्सपोर्ट से ज्यादा तेजी से बढ़ा। महीने के दौरान कुल एक्सपोर्ट 314.8 बिलियन डॉलर रहा, जबकि इम्पोर्ट 372.1 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। वस्तु व्यापार में अमेरिका को 84.60 अरब डॉलर का घाटा हुआ, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में 27.26 अरब डॉलर का अधिशेष दर्ज किया गया। जनवरी की तुलना में वस्तु व्यापार घाटा बढ़ा, जबकि सेवाओं का अधिशेष घट गया। भारत अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में बना रहा। केवल फरवरी में ही अमेरिका ने भारत के साथ लगभग 3.5 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार घाटा दर्ज किया। फरवरी 2026 तक 12 महीने के समय में, भारत का अमेरिका के कुल सामान व्यापार घाटा में लगभग 5.01 फीसदी हिस्सा था।

भारत में ऑटो सेक्टर में लागत से जुड़े जोखिमों को कम करके आंक रहा बाजार: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय कंपनियों पर लागत के दबाव को बाजार ऐसे समय पर कम करके आंक रहा है, जब निवेशकों का भारत को लेकर नजरिया सर्तक हो गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। बीएनपी पारिबास के एक विश्लेषण में बताया गया कि निवेशक बाजार पर कोई स्पष्ट रुख अपनाने से हिचकिचा रहे हैं और कई फंड सक्रिय रूप से अपना कुल जोखिम कम कर रहे हैं। विश्लेषण में कहा गया है कि पिछले साल अमेरिकी टैरिफ व्यापार में आए तीव्र बदलाव ने निवेशकों को मौजूदा ऊर्जा संकट को अल्पकालिक मानने के लिए प्रेरित किया है। भारत के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अधिक नकारात्मक हो गया है। इसकी एक प्रमुख वजह एलएनजी की उपलब्धता को लेकर चिंता होना है; निवेशकों को डर है कि यह भारत के लिए एक दीर्घकालिक समस्या साबित हो सकती है, जो तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से अलग प्रकृति की होगी। कच्चे तेल के विपरीत, जिसे छोटी अवधि का प्राइस शॉक माना जा रहा है। एलएनजी आपूर्ति में व्यवधान को कंपनियों की आय पर दीर्घकालिक प्रभाव डालने वाला माना जाता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि हांगकांग स्थित निवेशक

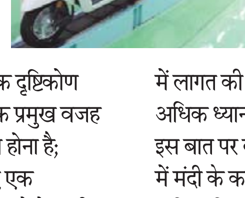

सिंगापुर स्थित निवेशकों की तुलना में भारत के प्रति कुछ कम निराशावादी हैं, जिसका आंशिक कारण यह है कि हांगकांग के निवेशक क्षेत्रीय आवंटनकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं और साथ ही साथ अन्य एशियाई बाजारों में उच्च अस्थिरता का सामना कर रहे हैं। निवेशकों की बातचीत में लागत की तुलना में मांग पर पड़ने वाले प्रभाव पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि इस बात पर व्यापक सहमति है कि सरकारी पूंजीगत व्यय में मंदी के कारण वाणिज्यिक वाहनों की मांग में सबसे अधिक गिरावट आने की आशंका है। इसके अलावा, मांग

एनआईए की जांच और न्यायिक आयोग की रपट में छुपे राज कौन जाहिर करेगा?

झीरम घाटी कांड के असली सूत्रधारों का आज भी पता नहीं

लाल आतंक का सफाया - अंतिम

बस्तर से लौटकर राजेश सिरोठिया

छत्तीसगढ़ में माओवाद के सफाए और उनको मिलती रही अर्बन नक्सलियों की मदद की बात तो सामने आ चुकी है लेकिन छत्तीसगढ़ के भीतर किन नेताओं ने उनको प्रश्रय दिया ? यह राज अभी एनआईए जांच और न्यायिक आयोग की रपट में दफन हैं। रमन सिंह के बाद कांग्रेस के भूपेश बघेल की सरकार से लेकर मौजूदा भाजपा सरकार तक की इसमें कोई दिलचस्पी नहीं दिखती।

बस्तर में लंबे समय तैनात रहे पूर्व पुलिस अधिकारी रवींद्र उपाध्याय का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम के बाद एनआईए ने जांच के नाम पर सिर्फ कागजी खानपूर्ति भर की और झीरम घाटी मामले की साजिश के पीछे छुपे लोगों का पर्दाफाश करने मे किसी की रूचि नहीं रही। रमन सिंह ने एक न्यायिक आयोग बिठाकर जांच भी कराई। इस आयोग का कार्यकाल यूं तो तीन महीने का था , लेकिन यह बीस बार बढ़ाया गया। इस बीच सुकमा के कलेक्टर एलेक्स जॉन को नक्सलियों ने अगवा भी किया। उनकी रिहाई के बदले रमन सिंह सरकार ने क्या कीमत चुकाई , यह भी रहस्य बना रहा। उधर, लंबी कवायद के बाद अंततः जब झीरम घाटी को लेकर गठित न्यायिक जांच आयोग की रपट आई। लेकिन रमन सिंह के 2018 दिसंबर तक सीएम रहते चार हजार से ज्यादा पन्नों की न्यायिक रिपोर्ट को न तो सार्वजनिक किया गया और न ही विधानसभा के पटल पर रखकर चर्चा कराई। 2018 से 2023 के बीच मुख्यमंत्री रहे भूपेश बघेल ने इस न्यायिक जांच रिपोर्ट को हाथ तक नहीं लगाया।

2024 मे भाजपा सत्ता में लौटी लेकिन उसने भी अपने सवा दो साल से ज्यादा लंबे हो चुके कार्यकाल में इस रपट की सुध नहीं ली। इससे झीरम घाटी कांड के असली सूत्रधारों के राज अभी भी दफन हैं। इसकी क्या राजनीतिक वजह थी या है? किसका दवाब था? इसकी पुख्ता वजह कोई नहीं समझ सका।

रवींद्र उपाध्याय का कहना है कि डेढ़ दशक पहले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की तैनाती भी यूपीए सरकार के दौरान हुई। लेकिन नक्सलियों से डरी स्थानीय पुलिस सीआरपीएफ के साथ सहयोग नहीं करती थी। उनसे कोई खुफिया इनपुट साझा नहीं करती थी। बहरहाल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की माओवाद के सफाए के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन के बाद आईटीबीपी और बीएसएफ की तैनाती हुई। राज्य के आदिवासियों की डिस्ट्रिक रिजर्व गार्ड तथा सीआरपीएफ की बस्तर बटालियन बनी। आईजी बस्तर सुंदरराज और सुकमा के एसपी रह चुके बस्तर एसपी शलभ कुमार सिन्हा के साथ सभी के समन्वित प्रयासों और बेहतर तालमेल के साथ आपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट चला और नक्सलियों का खात्मा हो सका। लेकिन या भी एक चनौती है कि क्या अमित शाह न्यायिक जांच का खुलासा कराएंगें? क्या वे पुरानी एनआईए जांच का अध्ययन कराकर या नए सिरे से जांच करवाकर रहस्यों का पर्दाफाश करवा सकेंगे?

केपीएस गिल की सेवाएं भी रमन सिंह को रास नहीं आईं

पंजाब से खालिस्तानी हिंसा का खात्मा करके हीरो बने पूर्व पुलिस महानिदेशक केपीएस गिल की सेवाएं भी रमन सिंह ने 2006 में ली। गिल ने पूरी शिद्दत से नक्सलियों की कमर तोड़ने की कवायद शुरू की। उन्होंने सबसे पहले नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात पुलिस अफसरों से बात की तो उन्हें अंदाजा लगाने में देर नहीं लगी कि नक्सलियों के खिलाफ जंग के लिए तैनात पुलिस अफसरों से लेकर निचले स्तर तक के स्टाफ में इसका जज्बा ही नहीं है। यही नहीं, उन्होंने पुलिस के दिलो दिमाग में छाए नक्सलियों के खौफ का जिक्र करते हुए कहा था कि उनका दायरा पुलिस के दफ्तरों, थानों और शहरों में तक सीमित है। 95 फीसदी हिस्से पर तो नक्सलियों की ही हुकूमत चलती है। डर के चलते पुलिस वाले वर्दी पहनकर भी नहीं निकलते। गिल ने सुरक्षा सलाहकार का पद छोड़ने के साथ एक खुलासा भी किया था। वह यह कि डॉ रमन सिंह को जब उन्होंने जमीनी हकीकत बताईं तो सीएम जवाब बेहद ठंडा था। रमन सिंह ने उन्हें परोक्ष तौर पर यह संकेत दिया कि सुरक्षा सलाहकार के बतौर वे (गिल) वेतन लें और मौज करें। इसके बाद गिल ने छत्तीसगढ़ को अलविदा कहने का विकल्प चुनना ही उचित समझा।

न्यूज विंडो

अंतरिक्ष से चमकती हुई नजर आती है पृथ्वी, आर्टेमिस- 2 से आई तस्वीर

वाशिंगटन। नासा के चांद मिशन आर्टेमिस-2 में शामिल अंतरिक्ष यात्रियों ने धरती की खुबसूरत तस्वीरें भेजी हैं, जिन्हें नासा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। इसके साथ ही नासा ने लिखा है कि 1977 से लेकर अब तक काफी चीजें बदली हैं, लेकिन जो एक बात समान है। वह यह है कि अभी भी हमारी धरती अंतरिक्ष से चमकती हुई नजर आती है। नासा का मिशन लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन जब अंतरिक्ष यात्रियों ने पीछे मुड़कर देखा तो वे भावुक हो गए। क्योंकि, हमारी पृथ्वी उनके कैप्सूल से बेहद ही खूबसूरत नजर आई है। जिसे उन्होंने तस्वीरों में कैद किया है।नासा ने चालक दल की पहली डाउनलिंक की गई तस्वीरें जारी कीं। करीब 50 साल बाद इंसानों को चांद की ओर ले जा रहे इस मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतरिक्ष से पृथ्वी की बेहद खूबसूरत तस्वीरें भेजी हैं।

बाइक को टक्कर मार खाई में गिरी कार बुजुर्ग समेत 3 की मौत, 4 घायल

बेलहर (बांका)। बिहार के बांका में शनिवार की सुबह तारापुर-देवघर मुख्य मार्ग के जिलेबिया मोड़ के पास एक कार की टक्कर में बाइक सवार 3 लोगों की मौत हो गई है, जबकि चार लोग जख्मी हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, भागलपुर जिले के अजगैबीनाथ धाम गंगा नदी से स्नान कर देवघर पूजा के लिए जा रही एक कार ने जिलेबिया मोड़ के पास कावरिया पथ पर सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर सवार तीनों लोगों मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान बांका जिला के फुल्लीडुमर थाना क्षेत्र के बनरझोप गांव निवासी रुपेश कुमार साह (28), सुरेंद्र साह (46) और बालेश्वर साह (59) के रूप में हुई है।दुर्घटना के बाद कार करीब 50 फीट नीचे जंगल में जा गिरी। कार में सवार पुष्पा कुमारी, प्रिया कुमारी, प्रवीन कुमार गुप्ता और खुशबू कुमारी घायल हो गए हैं। जख्मी में 2 को गंभीर स्थिति में रेफर किया गया है।घायलों में गढ़वा जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

सब-इंस्पेक्टर को सीबीआई ने किया गिरफ्तार, एक लाख की रिश्वत लेते पकड़ा

नई दिल्ली। बाहरी जिला के पश्चिम विहार वेस्ट थाने में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सब-इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते हुए एक लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। सीबीआइ सूत्रों के मुताबिक सब इंस्पेक्टर ने एक मामले को निपटाने के एवज में मोटी रकम की मांग कर रहा था। शुरुआत में उसने पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगी लेकिन बातचीत के बाद तीन लाख रुपये में डील तय हुआ। इसी डील के तहत सब इंस्पेक्टर को एक लाख रुपये की पहली किस्त लेते समय सीबीआइ ने दबोच लिया।मामला 26 मार्च को हुए एक झगड़े से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि सब इंस्पेक्टर इस मामले में कार्रवाई को प्रभावित करने और राहत देने के बदले पैसे की मांग कर रहा था। पीड़ित पक्ष ने इसकी शिकायत सीबीआई से कर दी, जिसके बाद सीबीआई ने पहले कई दिन तक दोनों के बीच बातचीत को इंटरसेप्ट किया। उसके बाद शुक्रवार को थाने जाकर करवाई की। दिल्ली पुलिस ने भी सब इंस्पेक्टर को तत्काल निलंबित कर दिया है। कुछ समय बाद इसको बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। सीबीआई इस साल अब तक 20 से अधिक पुलिसकर्मियों को रिश्वत लेते गिरफ्तार कर चुकी है।

'वोट वाइब' के सर्वे में टीएमसी की सीटों में गिरावट, बीजेपी नजर आ रहीं पहले से मजबूत

ममता बनर्जी की धड़कन बढ़ाने वाला है बंगाल चुनाव का ताजा ओपिनियन पोल

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले आए ताजा ओपिनियन पोल में मिली-जुली तस्वीर सामने आई है। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर सत्ता में वापसी करती दिख रही है, लेकिन उसकी सीटों में गिरावट के संकेत हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत नजर आ रही है।

VoteVibe के सर्वे के मुताबिक, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी को 294 सदस्यीय विधानसभा में 174 से 184 सीटें मिल सकती हैं। बहुमत का आंकड़ा 148 है, ऐसे में पार्टी आसानी से सरकार बना सकती है। अगर ऐसा होता है, तो ममता बनर्जी का यह लगातार चौथा कार्यकाल होगा।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव में TMC ने 215 सीटें जीती थीं, जबकि BJP को 77 सीटें मिली थीं। नए सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि TMC की सीटें घट सकती हैं, लेकिन वह सत्ता में बनी रह सकती है, जबकि BJP का ग्राफ ऊपर जाता दिख रहा है। मिदनापुर में मुकाबला कड़ा रहने की संभावना है, जहां BJP को बढ़त मिलती दिख रही है. वहीं प्रेसिडेंसी और मालदा जैसे इलाकों में टीएमसी की पकड़ मजबूत बनी हुई है।

ममता को कड़ी टक्कर दे रहे हैं शुवेंदुः मुख्यमंत्री पद के लिए ममता बनर्जी अभी भी सबसे पसंदीदा नेता हैं. सर्वे के अनुसार, 46.4% लोग उन्हें फिर से मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं. वहीं BJP के शुवेंदु अधिकारी को 34.9% समर्थन मिला है. कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी और सीपीएम के मोहम्मद सलीम काफी पीछे हैं।

सर्वे में पश्चिम बंगाल चुनाव के मुख्य मुद्दे

रोजगार और विकास (35.1%) सबसे बड़ा मुद्दा
कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा भी अहम
महंगाई और चुनावी मुद्दे भी चिंता का विषय

सर्वे में बंगाल चुनाव में योजनाओं पर वोटरों रायः करीब 53.6% लोगों का मानना है कि युवाओं के लिए चलाई गई सरकारी योजनाएं बेरोजगारी कम करने में पूरी तरह सफल नहीं रही हैं।

मुस्लिम वोटर बड़े पैमाने पर TMC के साथः SC-ST और ऊंची जाति के हिंदू वोटर BJP की ओर झुकाव, कुल मिलाकर सर्वे संकेत देता है कि बंगाल में सत्ता टीएमसी के पास रह सकती है, लेकिन BJP इस बार पहले से ज्यादा मजबूत चुनौती पेश करेगी।

बंगाल में हों स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त चुनावः सीईसी

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ मिलकर मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को इस संबंध में निर्देशित किया है। यह निर्देश मंडल आयुक्तों, एडीजीपी, आईजी, जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्तों, एसएसपी और एसपी सहित सभी स्तर के अधिकारियों पर लागू होंगे। चुनाव आयोग ने इस बात पर जोर दिया है कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह से भय, हिंसा, धमकी, प्रलोभन, बूथ कैप्चरिंग, बूथ जैमिंग और मतदान में किसी भी प्रकार की बाधा से मुक्त होनी चाहिए। यह निर्देश मालदा जिले में हाल ही में हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद आए हैं, जहां एक अप्रैल को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से कथित तौर पर बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने के विरोध में ग्रामीणों ने तीन महिलाओं समेत सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना लिया था।

अधीर रंजन चौधरी पर हमला

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार तेज हो गया है. इस बीच मुर्शिदाबाद के बहरामपुर में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के चुनाव प्रचार के दौरान हंगामा हो गया. जानकारी के मुताबिक, प्रचार के दौरान कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई. यह पूरी घटना पुलिस की मौजूदगी में हुई, जिसके बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह कांग्रेस उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी अपने समर्थकों के साथ बहरामपुर के वार्ड नंबर 19 में प्रचार कर रहे थे।

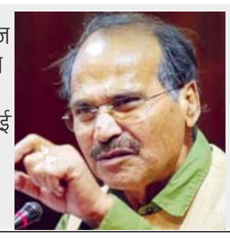

रिटायर्ड ब्रिगेडियर हत्याकांड

दो और दबोचे, एक को गोली लगी, अब तक नौ आरोपी हो चुके गिरफ्तार

देहरादून । रिटायर्ड ब्रिगेडियर मुकेश जोशी की मौत मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनसे हुई मुठभेड़ में एक आरोपी को गोली लगी है। पुलिस इससे पहले सात आरोपियों गिरफ्तार कर चुकी है।

एसएसपी प्रमेन्द्र डोभाल ने बताया कि शुक्रवार रात दो आरोपियों के गुनियाल गांव में होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने दबिश दी तो बदमाशों में फायरिंग शुरू कर दी। इसमें एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया है, जबकि दूसरे को गिरफ्तार कर लिया गया है। घायल की पहचान खालापार मुजफ्फरनगर निवासी मोहम्मद कवीश और दूसरे की पहचान सहारनपुर के बेहट निवासी शान्तनु त्यागी के रूप में हुई है। मोहम्मद कवीश को गोली लगी है।

बता दें कि ब्रिगेडियर मुकेश कुमार जोशी (75) अपने साढ़ू और एक साथी के साथ तुलाज ग्रीन सोसाइटी स्थित अपने निवास से मसूरी रोड की तरफ सुबह टहलने के लिए निकले थे। वह घर से करीब 200 मीटर दूर पहुंचे तो मसूरी रोड की तरफ से आ रहीं दो तेज रफ्तार कार पास से गुजरी। दोनों कार में बैठे युवक एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ गोलियां चला रहे थे।

प्रदूषण के खिलाफ सख्त एक्शन प्लान लागू, अब बिना पीयूसी नहीं मिलेगा दिल्ली में ईंधन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के खिलाफ एयर पॉल्यूशन मिटिगेशन एक्शन प्लान-2026 लागू कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब नो पीयूसी-नो फ्यूल नियम साल भर सख्ती से लागू रहेगा। 1 नवंबर से गैर-बीएस-5 भारी वाहनों की राजधानी में एंट्री बंद कर दी जाएगी।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को एयर पॉल्यूशन मिटिगेशन एक्शन प्लान-2026 लॉन्च किया, जिसमें प्रदूषण के सभी बड़े कारणों पर एक साथ काम करने की रणनीति बनाई गई है। पहले मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई अहम फैसले लिए गए, जिसमें वाहनों का धुआं, सड़क की धूल, निर्माण कार्य, औद्योगिक प्रदूषण और कचरा जलाने जैसे प्रमुख कारणों पर सख्त एक्शन प्लान लागू किया गया है। कुल 11 सेक्टर में काम होगा और हर विभाग की जिम्मेदारी तय की गई है। सीएम ने कहा कि यह सिर्फ योजना नहीं, बल्कि तय समयसीमा, तकनीक और जवाबदेही के साथ चलने वाला अभियान है।

सिवनी में बिजली गिरने से दो की मौत, रायसेन में फसलें खराब

45 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, सतना में रिमझिम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और टर्फ से बना स्ट्रॉन्ग सिस्टम मध्य प्रदेश को घेरे हुए हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में भोपाल-ग्वालियर समेत 45 जिलों में तेज आंधी चलने और बारिश होने का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार, प्रदेश के बीचोंबीच से एक टर्फ गुजर रही है, जबकि दूसरी टर्फ ऊपरी हिस्से में सक्रिय है। वहीं, पश्चिमी और उत्तरी हिस्से में 2 चक्रवात भी एक्टिव हैं।

सतना जिले में सुबह तेज हवा चली। फिर गरज-चमक के साथ बारिश होने लगी। नर्मदापुरम में बूंदाबांदी हुई। सिवनी में रिमझिम बारिश हुई। इससे पहले शुक्रवार रात को बरघाट के मंडी गांव में बिजली गिरने से प्रांशू मरकाम (6) और डूंडासिवनी के बंजारी गांव में रमजान खान की मौत हो गई। रायसेन में रामपुर मनियाखेड़ी रोड पर कई खेतों में गेहूं की फसल खराब हो गई।

आज जबलपुर, छतरपुर, पन्ना, दमोह और कटनी में ओले-बारिश का अलर्ट है। वहीं, भोपाल, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, सागर, विदिशा, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, रीवा, सतना, मैहर, निवाड़ी और टीकमगढ़ में आंधी, बारिश और गरज-चमक का दौर बना रह सकता है।

मेट्रो एंकर पद के लिए बैलेट तक पहुंचने वाली भारतीय मूल की पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बनीं

वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनावः रिनी संपत ने रचा नया इतिहास

वॉशिंगटन , एजेंसी

अमेरिका की राजनीति में भारतीय मूल के लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इसी कड़ी में रिनी संपत ने इतिहास रचते हुए वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव के बैलेट में जगह बना ली है। वह इस पद के लिए बैलेट तक पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। तमिलनाडु के थेनी में जन्मी रिनी संपत बचपन में ही अमेरिका चली गई थीं। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई समुदाय के लिए गर्व का पल है।

मुद्दों पर आधारित चुनावी एजेंडाः 31 वर्षीय रिनी संपत पिछले एक दशक से वॉशिंगटन डीसी में रह रही हैं और एक सरकारी ठेकेदार के रूप में काम कर चुकी हैं। उनका चुनावी एजेंडा शहर की बुनियादी समस्याओं को सुधारने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि अगर वह मेयर बनती हैं, तो सड़कों की मरम्मत, सीवर और जल निकासी समस्याओं का समाधान, 911 सेवाओं में सुधार और महंगाई को कम करना उनकी प्राथमिकता होगी।

सिस्टम पर उठाए सवालः रिनी संपत ने मौजूदा प्रशासन पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि शहर की बुनियादी सेवाएं लगातार कमजोर हो रही हैं। उन्होंने हाल की बर्फबारी का जिक्र करते हुए कहा कि सड़कों और फुटपाथों की हालत खराब हो गई थी और कचरा प्रबंधन भी बिगड़ गया था। उन्होंने खुद को एक आउटसाइडर उम्मीदवार बताते हुए कहा कि वह पारंपरिक राजनीति से अलग हैं और किसी बड़े राजनीतिक समूह का समर्थन उन्हें नहीं मिला है। उनका मानना है कि शहर को नई सोच और जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेतृत्व की जरूरत है।

अमेरिकन ड्रीम से राजनीति तक का सफर

रिनी ने कहा कि वह सात साल की उम्र में अमेरिकन ड्रीम को पूरा करने के लिए अमेरिका आई थीं। अब उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह सपना वॉशिंगटन डीसी के हर नागरिक के लिए हकीकत बने। उनके अभियान के मुताबिक, 4,500 से ज्यादा लोगों ने उनके समर्थन में हस्ताक्षर किए, जिसके बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर बैलेट में जगह मिली।

भारतीय जड़ों से प्रेरणा

रिनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, खासकर अपने दादा और पिता को दिया। उन्होंने कहा कि भारत से मिले संस्कार और परिवार की प्रेरणा ही उन्हें सार्वजनिक सेवा के लिए आगे बढ़ने की ताकत देती है। रिनी संपत की उम्मीदवारी अमेरिका में भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदाय की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी को दर्शाती है। हाल के वर्षों में इस समुदाय की उपस्थिति कांग्रेस और राज्य स्तर पर बढ़ी है, लेकिन बड़े शहरों के मेयर चुनाव में यह अभी भी कम देखने को मिलती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564